केवल आप के लिये
गांव–गांव शहर–शहर देश दुनियां में अपनों तक पहुंचाना है तो :भारतीय बस्ती दैनिक वेब www.bhartiyabasti.com और उसका छपा संस्करण सबसे बेहतर माध्यम
सम्पर्क–bhartiyabasti@gmail.com
मो० 9450567450| 9336715406

दैनिक भारतीय बस्ती

भारतीय बस्ती
www.bhartiyabasti.com के लिये विज्ञापन बुक कराये। विचार, प्रचार का सशक्त माध्यम सम्पर्क
मो० 9450567450
9336715406

भारतीय बस्ती आमंत्रण मूल्य 2रूपया

R.N.I. 38784/81 डाक पंजीकरण सं० B.S.T 59 बस्ती, वर्ष :45 अंक 307 शुक्रवार 31 मई 2024 (बस्ती संस्करण) बस्ती एवं अयोध्या–फैजाबाद से एक साथ प्रकाशित पृष्ठ :4मूल्य:3.00 रुपया www.bhartiyabasti.com

एक नजर

अवैध आरा मशीनों को किसका संरक्षण...?

भारतीय बस्ती संवाददाता– बनकटी (बस्ती)। मुण्डेरवा थाना क्षेत्र में विभागीय और पुलिस की मदद से दर्जनों अवैध आरा मशीनें चल रही है। जानकारी के अनुसार इनके पास न तो कोई लाइसेंस है और न ही परमिट विभागीय मदद से ये पेड़ों की कटान कर उसकों धडल्ले से चीर कर बाजार मे बेंच रहे है। खबर चलने के बाद जिलाधिकारी के आदेश पर थाना क्षेत्र के अमानाबाद से प्रशासन ने दो आरा मशीनों को उखड़वा दिया और विभागीय कार्यवाही भी किया गया।

गुरुवार को मुंडेरवा थाना क्षेत्र के अमानाबाद में स्थित अवैध आरा मशीनों पर जिलाधिकारी आंद्रा वामसी के निर्देश पर एसडीएम सदर शत्रुघ्न पाठक और वन दरोगा अमानाबाद पहुंच कर अवैध रूप से संचालित हो रही दोनों आरा मशीनों को उखड़वाया और उसके फाउंडेशन को भी तोड़वा दिया।अधिकारियों ने बाताया कि दोनों आरा मशीनों के संचालक गोरख और अशरफ के खिलाफ विभागीय कार्यवाही भी किया जायेगा।

प्रशासन के इस कार्यवाही से जिले में चल रही दर्जनों आरा मशीन संचालकों मे हडकंप मंच गया है। लोग खुद सवाल कर रहे हैं कि आखिर अवैध आरा मशीनों को किसका संरक्षण है।

पत्रकार ने लगाया न्याय की गुहार, उत्पीड़न का आरोप

भारतीय बस्ती संवाददाता– हरैया (बस्ती)। छावनी थाने में जमीनी विवाद को लेकर एक पत्रकार के उत्पीड़न का मामला सामने आया है। थाना क्षेत्र के ग्राम मल्लूपुर निवासी पत्रकार अशोक मिश्रा ने उच्चाधिकारियों से न्याय की गुहार लगाया है। पीड़ित पत्रकार को पहले जानलेवा धूप में जबरिया थाने पर बुलवाया और सुलह करने की बात कही, सुलह की बात नही मानने के बदले पीड़ित को पुलिसिया लहजे में ऐसा डाटा की उसकी हालत बिगड़ गई, पीड़ित के पुत्र ने उसे प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र छावनी में भर्ती कराया जहां से उसे जिला अस्पताल रेफर कर दिया गया है।

अशोक मिश्रा के अनुसार ग्राम के एक सार्वजनिक चकरोड की पैमाईश के लिए प्रार्थना पत्र दिया था, लेखपाल और ग्राम प्रधान प्रतिनिधि ने योजना पूर्वक अशोक मिश्रा पर कब्जेदार से हमला करवा दिया, जिसमे उन्हे चोट भी आई कपड़े भी फट गए, और जेब में रखा हुआ रुपया भी गायब हो गया, पीड़ित जब थाने पर फरियाद लेकर पहुंचा तो उसे बताया गया कि आपके खिलाफ एस सी एस टी का मुकदमा दर्ज करने के लिए प्रार्थना पत्र मिला है आप सुलह कर लीजिए वरना आपको जेल भेज दिया जाएगा। चूंकि पीड़ित पत्रकार के द्वारा पुलिस के बारे में समाचार लिखा जाता था, थाना प्रभारी राजेश तिवारी पहले से ही पत्रकार से खार खाए बैठे थे। बुधवार को दोपहर लगभग 12 बजे थाने से फोन आया कि आपको एस ओ साहब बुला रहे हैं, पीड़ित ने कहा कि मैं इस समय अपने न्यूज कार्यालय पर हू धूप भी ज्यादा है, और मैं बीमार रहता हूं, दिल्ली से मेरी दवा चलती है, इस समय मेरा आना ठीक नहीं होगा, लेकिन एस ओ ने दबाव देकर तुरंत आने को कहा, पीड़ित जब थाने पर पहुंचा थाना प्रभारी ने उसे अपने अंदाज में हड़काना शुरू कर दिया की तुम बहुत खबर चलाते हो, अब मैं तुम्हे ठीक कर दूंगा। इसी बीच दूसरे पक्ष के लोग भी आक्रामक हो गए, तब पुलिस ने बीच बचाव के बजाय सुलह की लिए दबाव बनाया और थाना प्रभारी के एक तरफा दबाव बनाने से पत्रकार की हालत बिगड़ गई, और उसे अस्पताल में दाखिल करवाना पड़ा। पत्रकार जब दवा करवाने के बाद थाना प्रभारी से मिलने पुनः पहुंचा तब थाना प्रभारी राजेश तिवारी ने पीड़ित को ही डाट कर थाने से भगा दिया जिससे उसकी हालत और बिगड़ गई है।

जम्मू–कश्मीर गए तीर्थयात्रियों की बस खाई में गिरी, हाथरस के 21 यात्रियों की मौत

जम्मू (आभा)। उत्तर प्रदेश के हाथरस से यात्रियों को लेकर आ रही एक बस जम्मू के अखनूर के टांडा क्षेत्र में सड़क से उतरकर गहरी खाई में गिर गई, जिससे 21 लोगों की मौत हो गई और 60 से अधिक घायल हो गए। अधिकारियों ने बताया कि यह दुर्घटना जिले के कालीधार इलाके में हुई। बस करीब 150 फीट नीचे खाई में लुढ़क गई थी।

जम्मू के जिला मजिस्ट्रेट ने एक्स पर बताया, 'उत्तर प्रदेश के हाथरस से यात्रियों को लेकर जा रही एक बस जम्मू के अखनूर के टांडा के पास दुर्घटनाग्रस्त हो गई है। बचाव अभियान जारी है। वाहन तीर्थयात्रियों को शिव खोरी क्षेत्र ले जा रहा था।

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने इस घटना पर गहरा दुख व्यक्त किया। उन्होंने एक्स पर लिखा, 'जम्मू के पास अखनूर में हुई बस दुर्घटना में लोगों की मौत का समाचार मिला। इस क्षति को शब्दों में बयां नहीं किया जा सकता। शोक संतप्त परिवारों के प्रति मेरी गहरी संवेदना है। मैं घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने की कामना करती हूं।'

घायलों को अखनूर अस्पताल और जम्मू के सरकारी मेडिकल कॉलेज (जीएमसी) अस्पताल में भर्ती कराया गया है। जम्मू के सरकारी मेडिकल कॉलेज के चिकित्सा अधीक्षक नरिंदर सिंह ने कहा, 'सीएसई अखनूर को पहले मृतकों की जानकारी मिल गई है। उन्होंने बताया है कि वे लगभग 20–25 मरीज भेजेंगे, जिनमें से 16 मरीज पहले ही आ चुके हैं। यह एक पर्यटक वाहन था और ये लोग (यात्री) जम्मू के नहीं हैं, वे बाहर से हैं।

प्रारंभिक जानकारी के अनुसार, उत्तरप्रदेश के हाथरस की यह बस हरियाणा के कुरुक्षेत्र से शिवखोड़ी धाम जा रही था। शिवखोड़ी धाम, जम्मू संभाग के रियासी जिले के पौनी में स्थित है, जो कि कटड़ा स्थित माता वैष्णो देवी मंदिर से मात्र 80 किलोमीटर की दूरी पर है। यह भगवान भोलेनाथ को समर्पित है।

जानकारी के अनुसार, बस का नंबर है– यूपी 86ईसी 4078 बताया गया है। यह बस अखनूर के टूंगी मोड़ में गहरी खाई में जा गिरी। इस तीखे मोड़ पर सामने से आ रही एक बस के आने से हादसे वाली बस का चालक का संतुलन बिगड़ा गया और यह हादसा हो गया। बस के गिरते ही चीख–पुकार मच गई। आसपास के लोग मौके पर पहुंचे। पुलिस को भी सूचित किया गया। तुरंत में राहत और बचाव अभियान चलाया गया। बस के शीशे तोड़ कर लोगों को बाहर निकाला गया। फिर रस्सी और कुछ को पीठ पर लाद कर सड़क तक पहुंचाया गया। इसके बाद घायलों को वाहनों में सवार कर नजदीकी अस्पताल ले जाया गया। इस दौरान सड़कों पर एंबुलेंस की आवाज गूंजती रही।

अस्पताल में हादसे की खबर के साथ ही स्टाफ को अलर्ट कर दिया गया। घायलों के पहुंचने के साथ ही यहां उपचार शुरू कर दिया गया। गंभीर रूप से घायल यात्रियों को प्राथमिक उपचार के बाद जीएमसी जम्मू रेफर किया गया। जीएमसी जम्मू में डॉक्टरों की अलर्ट टीम ने मोर्चा संभालते हुए पहुंचे हुए घायलों का तुरंत इलाज शुरू कर दिया ।

बस में लगभग 75 से अधिक यात्री सवार थे। मौके पर एसडीएम अखनूर लेख राज, एसडीपीओ अखनूर मोहन शर्मा, थानाप्रभारी अखनूर तारिक अहमद मोके पर बचाव कार्य मे जुटे हुए हैं। एसएसपी जम्मू व अन्य वरिष्ट अधिकारी भी मौके पर पहुंचे ।

सरकारी मेडिकल कॉलेज (जीएमसी) जम्मू में घायलों का हाल जानने के जिला उपायुक्त सचिन कुमार वैश्य पहुंचे। उन्होंने कहा कि दुर्घटना में घायलों का इलाज चल रहा है।

मैराथन प्रचार कर कन्याकुमारी पहुंचे पी.एम. मोदी

नई दिल्ली (आभा)। लोकसभा चुनाव 2024 के सातवें अंतिम चरण के लिए प्रचार थम गया। 1 जून को आठ प्रदेशों की कुल 57 सीटों पर वोटिंग होगी। प्रधानमंत्री मोदी लोकसभा चुनाव में अपने प्रचार

अभियान को खत्म करके कन्याकुमारी पहुंच चुके हैं। वह वहां स्वामी विवेकानंद को श्रद्धांजलि देने के लिए बनाए गए विवेकानंद रॉक मेमोरियल में ध्यान लगाएंगे। जहां पर वह 30 मई की शाम से लेकर 1 जून की शाम तक साधना में रहेंगे। कांग्रेस ने इस बात को लेकर चुनाव आयोग के पास शिकायत की है और इसे चुनावी स्टंट बताया है। 1 जून के बाद देश को अब 4 जून का इंतजार होगा। जब इन चुनावों के नतीजे सामने आएंगे और यह पता चलेगा कि आखिर कौन अगले 5 साल तक दिल्ली की गद्दी पर बैठेगा।

सातवें चरण में पश्चिम बंगाल, उत्तर प्रदेश, बिहार, पंजाब और हिमाचल प्रदेश की 57 लोकसभा सीटों पर मतदान होना हैं।1 जून को वोट डाले जाएंगे। मतों की गिनती 4 जून को होगी।

पश्चिम बंगाल में आखिरी चरण का रण भीषण हो चला है। नौ सीटों पर हो रही जंग में बीजेपी और टीएमसी हर दांव आजमा रहे हैं। टीएमसी का गढ़ माने जाने वाला यह इलाका बीजेपी के लिये भी इस बार नाक का सवाल बन गया है। पीएम मोदी ने आखिरी चरण में इस इलाकधें में आकर साफ संदेश दिया है कि मिशन बंगाल फतह करने के लिए शहरी इलाकधें की यह सीटें बहुत महत्वपूर्ण है।

वहीं दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने पंजाब में रैली के दौरान कहा कि 1 जून को बहुत गर्मी होगी लेकिन आप सभी को संविधान और देश की खातिर वोट डालने के लिए निकलना होगा। देश कि जनता ने मोदी जी को हटाने का मन बना लिया है। 'अच्छे दिन आने वाले हैं मोदी जी जाने वाले हैं।

निर्णायक क्षणों में झोंकी ताकत

वाराणसी (आभा)। वाराणसी से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को रिकॉर्ड मतों से जिताने के लिए देश भर के विभिन्न क्षेत्रों से लोग काशी पहुंचे और प्रचार समाप्ति के बाद वे घरों को लौटने लगे। यहां 1 जून को मतदान है।

प्रदेश कार्यसमिति सदस्य भाजपा किसान मोर्चा सत्येंद्र सिंह भोलू ने जगतगंज, पिपलानी कटरा, लाजपत नगर ,डी.एल.डब्लू, इंग्लिशिया लाइन विभिन्न जगहों पर जनसंपर्क कर मोदी जी रिकॉर्ड मतों से जिताने का अनुरोध किया।

भाजपा नेता सत्येंद्र सिंह भोलू ने कहा कि नरेंद्र मोदी का व्यक्तित्व एक गारंटी बन चुका है और काशी वासी अबकी रिकॉर्ड मतों से मोदी जी को तीसरी बार सदन में पुनः प्रधानमंत्री के रूप में भेजेंगे।

जनसमपर्क के दौरान काशी हिन्दू विश्वविद्यालय के उत्तरी नगर निकाय के पूर्व छात्र संघ अध्यक्ष हेमंत सिंह, पूर्व छात्र नेता काशी विद्यापीठ प्रदीप कन्नौजिया, विश्वजीत सिंह ,राजेश सिंह बब्लू, दीपक अरोड़ा, विश्व जीत सिंह,एस.डी.सिह, विनोद गुप्ता, सतीश कुशवाहा,पीकू श्रीवास्तव सहित बड़ी संख्या में काशीवासी मौजूद रहे।

नफरत फैला रहे हैं मोदी– मनमोहन सिंह

नई दिल्ली (आभा)। लोकसभा चुनाव 2024 के आखिरी यानी सातवें चरण से पहले पूर्व प्रधानमंत्री डॉक्टर मनमोहन सिंह ने गुरुवार को पंजाब के लोगों को संबोधित करते हुए एक खत लिखा है। इस दौरान उन्होंने मौजूदा भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) सरकार द्वारा पंजाब और उसके निवासियों के साथ किए जा रहे व्यवहार पर चिंता व्यक्त की। डॉ. मनमोहन सिंह ने पत्र में कहा कि चुनाव प्रचार के दौरान मोदी ने सर्वाधिक नफरत फैलाने वाले द्वेषपूर्ण भाषण दिए हैं, जो पूरी तरह विभाजनकारी प्रकृति के हैं। उन्होंने कहा कि अतीत में किसी भी प्रधानमंत्री ने समाज के किसी विशेष वर्ग या विपक्ष को निशाना बनाने के लिए ऐसे घृणित, असंसदीय शब्दों का इस्तेमाल नहीं किया।

पूर्व पीएम ने लिखा, 'मैं इस चुनाव अभियान के दौरान राजनीतिक चर्चाओं को बहुत ध्यान से देख रहा हूं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बेहद घृणास्पद भाषण दिए हैं, जो पूरी तरह से विभाजनकारी हैं। मोदी पहले ऐसे प्रधानमंत्री हैं जिन्होंने सार्वजनिक संवाद और प्रधानमंत्री पद की गंभीरता को कम किया है। इससे पहले किसी भी प्रधानमंत्री ने किसी खास वर्ग या विपक्ष को निशाना बनाने के लिए इतनी घृणित, असंसदीय और निम्नस्तरीय भाषा का इस्तेमाल नहीं किया। उन्होंने मेरे लिए भी कुछ गलत बयान दिए हैं। मैंने अपने जीवन में कभी भी एक समुदाय को दूसरे से अलग नहीं किया। यह भाजपा की आदत है।

मनमोहन सिंह ने लोकसभा चुनाव के सातवें और अंतिम चरण के तहत एक जून को होने वाले मतदान से पहले पंजाब के मतदाताओं से अपील करते हुए दावा किया कि केवल कांग्रेस ही है जो ऐसा विकासोन्मुख प्रगतिशील भविष्य सुनिश्चित कर सकती है, जहां लोकतंत्र और संविधान की रक्षा होगी। पंजाब के मतदाताओं को लिखे एक पत्र में कांग्रेस के वरिष्ठ नेता ने सशस्त्र बलों पर अग्निवीर योजना थोपने का भी आरोप लगाया और कहा, ''भाजपा सोचती है कि देशभक्ति, शौर्य और सेवा का मूल्य केवल चार साल है। यह उनके नकली राष्ट्रवाद को दर्शाता है।''

पूर्व प्रधानमंत्री ने कहा, ''अतीत में किसी भी प्रधानमंत्री ने समाज के किसी खास वर्ग या विपक्ष को निशाना बनाने के मकसद से इस तरह के द्वेषपूर्ण, असंसदीय और असभ्य शब्दों का इस्तेमाल नहीं किया। उन्होंने मेरे लिए कुछ गलत बयान भी दिए हैं। मैंने अपने जीवन में कभी भी एक समुदाय को दूसरे से अलग नहीं किया है। इस पर भाजपा का एकमात्र कॉपीराइट है।'' मोदी ने सिंह पर आरोप लगाया था कि उन्होंने प्रधानमंत्री रहते कहा था कि देश के संसाधनों पर पहला अधिकार मुसलमानों का है। सिंह ने कहा कि भारत के लोग यह सब देख रहे हैं। उन्होंने कहा, ''अमानवीकरण की यह कथा अब अपने चरम पर पहुंच गई है। अब यह हमारा कर्तव्य है कि हम अपने प्यारे राष्ट्र को इन विभाजनकारी ताकतों से बचाएं।''

अंतिम चरण में यूपी की 13 सीटों पर मतदान 1 को

लखनऊ (आभा)। लोकसभा चुनाव के सातवें और अंतिम चरण में उत्तर प्रदेश की 13 सीटों पर चुनाव प्रचार गुरुवार 30 मई की शाम को थम गया। इसके साथ ही पहली जून को मतदान की तैयारियां शुरू हो गई। इन 13 सीटों में दो सुरक्षित हैं और 11 सामान्य। यह सीटें हैं–महाराजगंज, गोरखपुर, कुशीनगर, देवरिया, बांसगांव सु., घोसी, सलेमपुर, बलिया, गाजीपुर, चन्दौली, वाराणसी, मिर्जापुर और राबर्ट्सगंज सु.। इन लोकसभा सीटों के अलावा सोनभद्र जिले की रिक्त चल रही दुद्धी विधानसभा सीट के उपचुनाव के लिए भी वोट डाले जाएंगे।

इन 13 लोकसभा सीटों पर 144 प्रत्याशी चुनाव मैदान में हैं, जिनमें 134 पुरुष तथा 10 महिला प्रत्याशी हैं। इन प्रत्याशियों में मुख्यतरू वाराणसी सीट पर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी, गोरखपुर में भाजपा के मौजूदा सांसद व फिल्म अभिनेता रवि किशन, चंदौली में भाजपा के मौजूदा सांसद व केन्द्रीय मंत्री डा.महेन्द्र नाथ पाण्डेय, मिर्जापुर सीट पर अपना दल (एस) की प्रमुख नेता और केन्द्रीय मंत्री अनुप्रिया पटेल आदि प्रमुख नेताओं के राजनीतिक भविष्य का फैसला मतदाता करेंगे। सोनभद्र जिले की दुद्धी (अनुसूचित जनजाति) के लिए आरक्षित विधानसभा सीट के उपचुनाव में छह प्रत्याशी चुनाव मैदान में हैं। मुख्य निर्वाचन अधिकारी नवदीप रिणवा ने बताया कि स्वतंत्र और निष्पक्ष चुनाव कराने के लिए लोक द्धी विधानसभा उपचुनाव के लिए भी चुनाव प्रचार–प्रसार संबंधी समस्त गतिविधियों व अभियानों पर प्रतिबंध रहेगा।

हिन्दी पत्रकारिता के अतीत और वर्तमान पर विमर्श

–भारतीय बस्ती संवाददाता–
बस्ती। हिन्दी पत्रकारिता का वर्तमान और भविष्य दोनो अच्छा है। पत्रकारों को अपना चाल चरित्र और चेहरा सुधारना होगा। यह बातें वरिष्ठ पत्रकार राजेन्द्रनाथ तिवारी ने कही। वे प्रेस क्लब सभागार में हिन्दी पत्रकारिता दिवस पर आयोजित 'पत्रकारिता का वर्तमान व अतीत' विषय पर आयोजित गोष्ठी को सम्बोधित कर रहे थे।

उन्होने कहा अभाव को स्वभाव बनाने वाले पत्रकार कभी सत्ता की दलाली नही करते, बल्कि अपने समाचारों, संपादकीय व समीक्षात्मक खबरों से सत्ता को रासता दिखाते हैं। लेकिन अहंकारी और शक्तिशाली सत्ता ने हमेशा उन्हे अपने पॉवर और धनबल के आगे नतमस्तक करने का प्रयास किया है। उन्होने यह भी कहा कि विपरीत परिस्थितियों के बावजूद कुछ पत्रकार देश में बंचे हैं जिनके ज़मीर का सौदा शक्तिशाली और अहंकारी सत्ता नही कर पा रही है। उन्होने ध्रुव राठी का नाम भी लिया।

वरिष्ठ पत्रकार दिनेश चन्द पाण्डेय ने कहा अखबारों के सामने चुनौतियां बढ़ती जा रही हैं। बड़े समाचार माध्यम सत्ता की आवाज में आवाज मिलाने में विश्वास करते हैं और छोटे मझोले समाचार माध्यम हमेशा पीड़ित मानवता की पैरोकारी करते हैं, और ऐसे ही अखबारों के सामने चुनौतियां भी ज्यादा खड़ी की जा रही हैं। केडी मिश्रा ने हिन्दी पत्रकारिता की शुरूआत से लेकर वर्तमान तक के इतिहास पर विस्तार से प्रकाश डाला। कहा पत्रकारों को कम संसाधनों में जीवन जीने की आदत डालनी चाहिये।

वरिष्ठ पत्रकार मजहर आजाद ने कहा हिन्दी पत्रकारिता हमारे रगों मे रची बसी है। हम जिस क्षेत्र मे रहते हैं वहां हिन्दी का कोई विकल्प नही है। इसका भविष्य बेहतर है। जयंत मिश्रा ने कहा पत्रकारों को लिखने पढ़ने की आदत डालनी होगी। कई बार ऐसा होता है जब विषय की जानकारी न होने पर पत्रकार को सार्वजनिक रूप से शर्मिन्दा होना पड़ता है।

कार्यक्रम का संचालन प्रेस क्लब अध्यक्ष विनोद कुमार उपाध्याय ने किया। उन्होने कहा बस्ती की पत्रकारिता उत्तर प्रदेश में सबसे ज्यादा समृद्ध है। यहां पत्रकारों में एकजुटता भी है और विषय की जानकारी भी। अध्यक्षता कर रहे प्रकाश चन्द गुप्ता ने कहा हिन्दी पत्रकारिता का स्वर्णिम युग रहा है। वर्तमान में हिन्दी पत्रकारिता में उर्दू व अंग्रेजी शब्दों का समावेश देखने को मिलता है जिससे हिन्दी पत्रकारिता कमजोर होती है। उन्होने सभी को दिवस की शुभकामनायें दिया।

प्रेस क्लब महामंत्री महेन्द्र तिवारी ने कहा हिन्दी पत्रकारिता जितना सशक्त कोई दूसरा माध्यम नही है। संकट सिर्फ विश्वास का है। पत्रकार जन सामान्य का विश्वास खोते जा रहे हैं। समाज या सत्ता के ताकतवर लोग हमेशा मीडिया को दबाने करते हैं लेकिन पीड़ितों, सताये गये लोगों के विश्वास और आशीर्वाद से पत्रकार किसी से भी टकराने का साहस रखता था। मौजूदा परिवेश ऐसा है जिसमे पत्रकार के साथ न ताकतवर लोग हैं और न ही पीड़ित, शोषित जनता। इसलिये हमे सबसे पहले अपने आचरण का मूल्यांकन करना होगा।

सहायक सूचना निदेशक प्रभाकर तिवारी ने बस्ती के पत्रकारिता की सराहना की। उन्होने कहा हमारे सेवाकाल में सबसे ज्यादा बस्ती की सेवा यादगार रहेगी। सभी पत्रकारों ने सहायक सूचना निदेश का माल्यार्पण कर स्वागत किया और उन्हे अंग वस्त्र, प्रतीक चिन्ह देकर उनके उज्ज्वल भविष्य व स्वस्थ जीवन की कामना किया। उन्होने पत्रकार राहत कोष में योगदान भी दिया। वे 31 मई मई को सेवानिवृत्त हो रहे हैं। इस अवसर पर वरिष्ठ पत्रकार पुनीत दत्त ओझा, प्रदीप चन्द पाण्डेय, सरदार जगवीर सिंह, चन्द्रप्रकाश शर्मा आदि ने भी सम्बोधित किया।

कार्यक्रम में अनुराग श्रीवास्तव, रामकुमार, कौशल किशोर ओझा, अशोक श्रीवास्तव, वशिष्ठ पाण्डेय, राजेन्द्र उपाध्याय, राकेश चन्द श्रीवास्तव, रामधीरज सिंह, अरूणेश श्रीवास्तव, तबरेज आलम, लवकुश सिंह, अभिषेक गौतम, सर्वेश श्रीवास्तव, चन्द्रमोहन लाल, राकेश गिरि, सुनील मिश्रा, दिनेश सिंह, ओम शुक्ल, सुदृष्टि नारायण, गोकरण नारायण पाण्डेय, संदीप गोयल, ओमप्रकाश पाण्डेय, दिनेश कुमार पाण्डेय, दिलीप पाण्डेय, ब्रह्सेवक पाण्डेय, जितेन्द्र कुमार, जितेन्द्र श्रीवास्तव, अनिल श्रीवास्तव,संजय विश्वकर्मा, वीके त्रिपाठी, हरिओम लल्ला, संतोष श्रीवास्तव, संदीप ओझा, राघवेन्द्र सिंह, लवकुश यादव, शिवप्रकाश गौड़, शिवराज सिंह, अश्वनी शुक्ला, सुबाष पाण्डेय, राधेश्याम दूबे, राकेश तिवारी, सुरेश सिंह गौतम, आशुतोष नारायण पाण्डेय आदि उपस्थित रहे।

विश्व हिन्दू महासंघ 11 जून को मनायेगा योगी आदित्यनाथ का 52 वां जन्म दिन

भारतीय बस्ती संवाददाता– बस्ती। गुरूवार को विश्व हिन्दू महासंघ जिलाध्यक्ष अखिलेश सिंह की अध्यक्षता में महासंघ की बैठक जिला अस्पताल के निकट स्थित जिला कार्यालय सुलक्ष्मी टावर पर सम्पन्न हुई। बैठक में गोरक्ष पीठाधीश्वर परम पूज्य योगी आदित्यनाथ जी महाराज जी के 52 वें जन्मोत्सव पर 11 जून को होने वाले कार्यक्रमों की रूप रेखा पर विचार किया गया।

महासंघ जिलाध्यक्ष अखिलेश सिंह ने बताया कि विश्व हिन्दू महासंघ द्वारा प्रति वर्ष योगी आदित्यनाथ जी महाराज का जन्मोत्सव मनाया जाता है। वर्तमान में वे उत्तर प्रदेश के दूसरी बार मुख्यमंत्री हैं और लोकसभा के चुनाव में उन्होने भाजपा की जीत सुनिश्चित करने के लिये पूरी ताकत झोंक दिया। बताया कि आगामी 11 जून को दोपहर 2 बजे कार्यक्रम संयोजक एवं परसरामपुर के ब्लॉक अध्यक्ष जगत मोहन सिंह 'बिक्कु' के संयोजन में मनाया जायेगा। बताया कि प्रदेश अध्यक्ष भिखारी प्रजापति के दिशा निर्देश के अनुरूप बस्ती के साथ ही प्रदेश भर में गोरक्ष पीठाधीश्वर परम पूज्य योगी आदित्यनाथ जी महाराज का 52 वां जन्म दिन उल्लास के साथ मनाया जायेगा।

जन्मोत्सव के तैयारी बैठक में मुख्य रूप से सौरभ तिवारी, विजय शंकर शुक्ला, अमरजीत सिंह, पलटू राम चौहान, मुन्ना सिंह, परमानन्द गुप्ता, विष्णु प्रताप सिंह, प्रदीप सिंह 'दीप', बाबा जयप्रकाश दास, शैलेंद्र प्रताप सिंह, अमरजीत यादव, जगत मोहन सिंह बीकू, रूप नारायण गौड़, राहुल श्रीवास्तव, अमरदीप श्रीवास्तव, उदय सिंह चौधरी, राघवेंद्र विश्वकर्मा, राकेश सिंह, वरुण तिवारी राजकुमार विश्वकर्मा, राम सिंह जयप्रकाश किशन गुप्ता संदीप मनीष पाण्डेय, वेद प्रकाश, विवेक सिंह, संदीप गुप्ता के साथ ही विश्व हिन्दू महासंघ के अनेक पदाधिकारी, कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

"मुझे अखबार निकालने दो तो मै इस बात की परवाह नहीं करता कि कौन धर्म का नियामक है और कौन कानून का निर्माता"–वेडेल फिलिप्स

दैनिक
भारतीय बस्ती
बस्ती 31 मई 2024 शुक्रवार

सम्पादकीय

चुनाव प्रचार की गर्मी और मर्यादा

मौजूदा लोकसभा चुनावों का नतीजा जो भी हो, इन चुनावों को अपमानजनक शब्दों के इस्तेमाल से बहस के स्तर को गिराने और अपराधियों से निपटने के लिए चुनाव आयोग की भूमिका के लिए याद किया जाएगा। जबकि लगभग सभी राजनीतिक दलों के नेता अपने राजनीतिक प्रतिद्वंद्वियों के खिलाफ अपमानजनक या जिसे वे 'असंसदीय टिप्पणियां' कहते हैं, का उपयोग करने में लगे हुए हैं। इसका संदिग्ध पुरस्कार प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को जाना चाहिए। जिन्होंने न केवल तथ्यों को तोड़–मरोड़ कर पेश किया बल्कि ऐसी भाषा का इस्तेमाल किया जो किसी भी प्रधानमंत्री ने कभी नहीं की थी। चुनाव प्रचार की गर्मी के दौरान भी इसका उपयोग किया जाता है।

इसमें कोई संदेह नहीं है कि वह इन चुनावों में सबसे कठिन प्रचारक रहे थे और उन्होंने किसी भी अन्य राजनीतिक नेता की तुलना में देश का कहीं अधिक भ्रमण किया होगा। शायद ही कोई दिन ऐसा रहा हो जब उन्हें अखबारों के पहले पन्ने पर जगह न मिली हो और इलैक्ट्रॉनिक मीडिया पर उनका दबदबा न रहा हो। आदर्श आचार संहिता लागू होने के बाद से उनके भाषणों पर किए गए एक शोध के अनुसार, उनका मुख्य हमला कांग्रेस पार्टी पर था। हालांकि यह अपेक्षित था, हमले की वीभत्सता अद्वितीय थी।

चुनाव आयोग, जिसके सदस्यों को सरकार ने चुना था, स्थिति से निपटने में उन्होंने खुद को अयोग्य साबित कर दिया। इसने केवल राजनीतिक दलों के अध्यक्षों को नोटिस भेजा और उनसे अपने 'स्टार प्रचारकों' पर लगाम लगाने को कहा। पूर्व मुख्य चुनाव आयुक्त टी.एन. शेषन, जो ऐसी स्थितियों से सख्ती से निपटने के लिए जाने जाते थे, उनकी बहुत कमी महसूस हुई। दरअसल, भीषण गर्मी में चुनाव कार्यक्रम तय करने से लेकर इसे करीब डेढ़ महीने तक खींचने में इसकी भूमिका संदिग्ध है। चुनाव की घोषणा पहले क्यों नहीं की गई और इतने लंबे चुनाव कार्यक्रम के क्या कारण थे, यह कभी नहीं बताया गया। ध्यारणा यह है कि चुनाव कार्यक्रम सत्ता द्वारा तय किया गया था ताकि प्रधानमंत्री को प्रचार के लिए अधिकतम अवसर प्रदान किया जा सके।

आयोग को एक बार फिर लापरवाही का सामना करना पड़ा जब उसने मतदान प्रतिशत की अंतिम घोषणा में अनुचित देरी की। चूंकि चुनाव पूरी तरह से इलैक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीनों के माध्यम से कराए गए थे, इसलिए आयोग को डाले गए वोटों की सही संख्या बताने में एक सप्ताह से अधिक का समय क्यों लगना चाहिए था। वोटों की संख्या में एक करोड़ से ज्यादा की बढ़ौतरी ने चुनाव प्रक्रिया की शुचिता पर भी बड़ा सवालिया निशान लगा दिया है। आयोग प्रत्येक निर्वाचन क्षेत्र से डाटा प्रदान करने में अनिच्छुक क्यों था, जो उसके लिए आसानी से उपलब्ध था। पहले चरण के मतदान के एक महीने बाद आखिरकार आयोग ने ऐसा किया। इसे पहले भी आसानी से किया जा सकता था। हां, मतदान की संख्या में भारी वृद्धि की व्याख्या नहीं की गई है।

यह भी दुर्भाग्यपूर्ण है कि सुप्रीम कोर्ट ने आयोग को फॉर्म 17–सी की प्रतियां अपलोड करने का निर्देश देने से इंकार कर दिया है, जो प्रत्येक मतदान केंद्र पर डाले गए वोटों की संख्या को दर्शाता है। आयोग ने दलील दी थी कि सार्वजनिक डोमेन में ऐसे फॉर्म उपलब्ध कराने का कोई कानूनी आदेश नहीं है। हालांकि इन्हें उम्मीदवारों या उनके एजैंटों को प्रदान किया जाना है। शीर्ष अदालत ने मामले की सुनवाई चुनाव प्रक्रिया पूरी होने तक के लिए स्थगित कर दी है। एक बार जब चुनाव प्रचार के दौरान उत्पन्न गर्मी और धूल शांत हो जाए, तो आयोग की गरिमा को बहाल करने के प्रयास किए जाने चाहिएं। ऐसा करने का एक तरीका चुनाव आयुक्तों के चयन के लिए पुरानी प्रक्रिया को फिर से शुरू करना होगा। यह प्रधानमंत्री, विपक्ष के नेता और भारत के मुख्य न्यायाधीश वाले कॉलेजियम द्वारा किया गया था।

कॉलेजियम की संरचना को एक कानून के माध्यम से बदल दिया गया था जिसमें प्रधानमंत्री, विपक्ष के नेता और कैबिनेट द्वारा एक मनोनीत केंद्रीय मंत्री शामिल थे। दूसरे शब्दों में, चयन पूरी तरह से सरकार के हाथों में था और यह उम्मीद की जाती है कि चयनित व्यक्ति तत्कालीन सरकार की आज्ञा का पालन करेगा। चुनाव आयोग की विश्वसनीयता सुनिश्चित करने के लिए इसे बदला जाना चाहिए।

डिजिटल युग में रैली और रोड शो

–मनोज सिंह–

देश सर्वोपरि है जाति धर्म और पंथ से । इसे आजाद करने के लिए हर जाति और धर्म के लोगों ने त्याग और बलिदान दिया है सुभाष चंद्र बोस चंद्रशेखर आजाद भगत सिंह जैसे लाखों भारत के नौजवानों ने अपनी जान कुर्बान कर दिया है देश की आजादी के लिए, देश के लोगों की खुशहाली के लिए, लेकिन दुख तब होता है जब इस आजादी का वर्तमान दौर की राजनीति में कुर्सी के लिए मजाक बना कर रख दिया है

जब देश आजाद हुआ था तब ना तो इतनी खर्चीली रैलियां होती थी और ना इतनी खर्चीले रोड शो किए जाते थे यह देश लाल बहादुर शास्त्री, सरदार पटेल ,गुलजारी लाल नंदा, सरीखे राष्ट्र के प्रति सच्चा लगाव रखने वाले नेताओं का देश था स्वर्गीय लाल बहादुर शास्त्री जी ने जय जवान और जय किसान का नारा देकर और उस दिशा में सकारात्मक कदम उठाकर देश को खुशहाली की तरफ ले जाने का सराहनीय प्रयास रहा वही सरदार पटेल ने तमाम रियासतों को देश में मिलाकर जमीनों का परिसीमन करा कर देश के करोड़ों लोगों का भला किया उस दौर में ना तो इस तरह की रैलियां होती थी और संभवत रोड शो को कोई जानता भी नहीं था

बड़ी बड़ी रैलियां में दसियो हजार की संख्या में आसपास जिले के फोर्स के लोगों को लगाया जाता है बहुत से लोग इस तपती धूप में ड्यूटी करने को मजबूर होते हैं यहां तक की किसी–किसी को नाश्ता को कौन कहे ठीक से पानी भी नसीब नहीं होता है मैं स्वयं कई बार बड़ी रैलियां में पत्रकार दीर्घा में होने के चलते पानी आदि की वहां व्यवस्था रहता था तो हम और हमारे साथी प्रयास करते थे कि फोर्स के लोगों को भी पानी मिल जाए क्योंकि उनको अपने जगह पर खड़े रहना पड़ता था वहीं रैली में आए लोग जहां पानी की व्यवस्था होती थी वहां से पी आते थे लेकिन फोर्स के लोगों के साथ ऐसा संभव नहीं होता था क्योंकि जहां उनकी ड्यूटी लगी थी वहां उनको लगातार पांच से सात घंटा तक खड़ा रहना पड़ता था इस बात का हमने अध्ययन किया तो हमको तकलीफ बहुत हुआ इतना ही नहीं क्षेत्रों के विभिन्न अंचलों से आए लोगों को भी तपती धूप में परेशानी का सामना करना पड़ता है कितने लोग इस रैलियां में आने के चलते कड़ी धूप लगने के कारण सैकड़ो की संख्या में बीमार पड़ जाते हैं यह किसी एक पार्टी की स्थिति नहीं है सामान्यतः सभी राजनीतिक दलों की यही स्थिति है यह अलग बात है कि जिसके पास पैसा अधिक है उसका ताम–झाम और रैलियां में किराए की जनसंख्या अधिक नजर आता है देश का प्रबुद्ध वर्ग और देश के प्रति सच्ची आस्था रखने वाले लोग इन ताम – झाम को देखकर और टीवी चौनलों की चाटूकारिता भरी समीक्षा देखकर कुढन महसूस करते हैं यही कारण है देश के कुछ अति जागरूक बुजभूषण दूबे और कुछ राष्ट्र भक्त यूं दूबर और लेखकों ने अपने स्तर से विरोध प्रकट करना शुरू कर दिया है आनेवाले समय में इसका सकारात्मक परिणाम देखने को मिलेगा ।

जितना पैसा इस तरह की रैलियां पर खर्च किया जाता है यदि उस पैसे को उस इलाके में ईमानदारी से लगा दिया जाए तो वहां के सड़कों के किनारो की पटरिया और नालियों की साफ सफाई से उसे क्षेत्र का कायाकल्प हो जाए लेकिन ऐसा होता नहीं है बजाएं साफ सफाई के वहां पर गंदगी का अंबार हो जाता है प्लास्टिक के गिलासों का भरमार हो जाता है बोतले प्लास्टिक की जगह–जगह फेंकी हुई दिखाई पड़ती है और उस राजनीतिक दल का 30 से 50 लाख और एक करोड़ तक रुपए ऐसी रैलियों पर बहाया जाता है दूसरी तरफ लाखों मेहनतकश लोगों को अपने खेतों अपने क्षेत्र में काम करने के स्थान पर रेलियों में बुलाकर थोड़ा लालच और दबाव देकर उनका बहुमूल्य समय बर्बाद किया जाता है ।

दूसरी तरफ रोड शो में भी कई जिलों की फोर्स बुलाकर 2 दिन तक लोग टिके रहते हैं फोर्स के आला अधिकारियों की सांस रुकी रहती हैं कि कहीं कोई अप्रिय घटना ना हो जाए फोर्स के जवान भाई और बहनें व्यवस्था को बनाने में स्वयं भूखे प्यासे लगे रहते हैं ।

इस तरह के प्रदर्शन से देश का और देश के नागरिकों क्या लाभ होगा इसका उत्तर अगर किसी राजनेता के पास हो तो जानने की इच्छा है ।

संक्रमित बीमारियां भीड़ इकट्ठा होने से अधिक फैलती है कोरोना कल में इसका हश्र देखा जा चुका है उस समय संस्कृतिक और वैचाहिक कार्यक्रमों पर सरकार की गाइडलाइन था की 50 से अधिक संख्या में लोग इकट्ठे ना हो लेकिन जब चुनाव आया तो उस समय जो सरकार की गाइडलाइन था उसका क्या हुआ उसका अनुपालन क्यों नहीं हुआ ?

एक तरफ हम वर्तमान समय के डिजिटल युग में कैश लेनदेन के स्थान पर अधिक से अधिक ऑनलाइन ट्रांजैक्शन की वकालत कर रहे हैं और उस दिशा में सकारात्मक कार्य भी हो रहा है नई टेक्नोलॉजी का देश की जनता को लाभ भी मिल रहा है और सरकार के टैक्स की चोरी भी काफी हद तक रुकीं है ।

टीवी चैनलों पर दिन–रात चटूकारिता के कार्यक्रमों के स्थान पर अगर देश के नेताओं को अपनी बात अपनी कार्यशैली अपनी उपलब्धियां रखने का समय निर्धारित किया जाए तो निसंदेह देश की जनता अपने नेताओं के कार्यों और कार्यशैली को देखेगी और समीक्षा भी करेगी साथ ही जिन नेताओं को समाज के समक्ष अपनी बात रखनी है वह समाचार पत्रों के माध्यम से भी रख सकते हैं और डिजिटल युग होने के चलते सबके हाथों में मोबाइल के माध्यम से आपकी बात पहुंच जाएगी । जिन नेताओं को देश के प्रति दिल में लगाव हो उनको रैलियों और रोड शो के बन्द करने के विरुद्ध आवाज उठाना चाहिए वर्तमान दौर के डिजिटल युग में रेलिया के स्थान पर टीवी चौनल युटुब और फेसबुक और समाचार पत्रों के माध्यम से नेताओं को अपनी बात नागरिकों के समक्ष रखना चाहिए और जितना समय रेलिया में खर्च किया जाता है उसे समय को राष्ट्रीय हित के आवश्यक कामों में खर्च करना चाहिए ।

शब्द शिल्पी बाबूराव विष्णु पराड़कर

–कृष्ण प्रताप सिंह–

हिन्दी भाषा, खासतौर पर उसके शब्दों व सामाजिक–साहित्यिक पत्रकारिता का अब तक जो भी संस्कार या मानकीकरण संभव हो पाया है, उसके पीछे उसके उन्नयन हेतु अपना सब कुछ दांव पर लगाने वाले स्वाभिमानी सम्पादकों की समूची पीढ़ी की अहर्निश सेवाओं की बड़ी भूमिका रही है। यह बड़ी भूमिका हिन्दी पत्रकारिता के 'शिल्पकार' और 'भीष्म पितामह' कहलाने वाले मराठी भाषी बाबूराव विष्णु पराड़कर (16 नवंबर, 1883–12 जनवरी, 1955) से बहुत पहले से दिखाई देने लगती है। दरअसल, स्वतंत्रता संघर्ष के दौरान हिन्दी पत्रकारिता को जनजागरण का अस्त्र बनाकर विदेशी सत्ताधीशों की नाक में दम करने और स्वतंत्रता के बाद नये भारत के निर्माण के लिए उन्होंने खुद को क्रांतिकारी शब्दशिल्पी बनाया।

यदि नहीं बनाया होता तो उनके वक्त स्थिरीकरण व मानकीकरण के दौर से गुजर रही हिन्दी भाषा और पत्रकारिता अनेक ऐसे शब्दों व सम्पादकों से वंचित रह जाती, जिनके बगैर आज वह काम नहीं चला पाती। श्री, सर्वश्री, राष्ट्रपति और मुद्रास्फीति जैसे अनेक शब्द, जिनका आज हिन्दी पत्रकारिता में धड़ल्ले से प्रयोग किया जाता है, उन्होंने ही हिन्दी को दिये।

उनका सबसे बड़ा पत्रकारीय योगदान यह है कि वे सम्पादक नामक संस्था की सर्वोच्चता के लिए जिद की हद तक सतर्क रहे। एक समय जब पराडकर जी उन दिनों के प्रतिष्ठित दैनिक 'आज' के सम्पादक थे, उसके संस्थापक और मालिक शिवप्रसाद गुप्त से मतभेद होने पर भी उन्होंने सम्पादकीय सर्वोच्चता से समझौता करना गवारा नहीं किया। उलटे उसे छोड़कर चले गये और बाद में शिवप्रसाद गुप्त के बहुत मनाने पर इस शर्त पर लौटे कि पत्र की सामग्री के चयन में उनका फैसला ही अंतिम हुआ करेगा।

साहित्यिक पत्रकारिता की बात करें तो अपने वक्त की सबसे प्रतिष्ठित पत्रिका 'सरस्वती' के सम्पादक आचार्य महावीर प्रसाद द्विवेदी (9 मई, 1864–21 दिसम्बर, 1938) की उसे उत्कृष्ट बनाये रखने की जिद हमेशा बनी रही। कहते हैं, एक सज्जन ने उन्हें अपनी कविताएं भेजीं और अरसे तक उनके न छपने पर याद दिलाया कि 'मैं वही हूं, जिसने एक बार आपको गंगा में डूबने से बचाया था', तो आचार्य द्विवेदी का जवाब था रू आप चाहें तो मुझे ले चलिये, मुझे गंगा में वहीं फिर से डुबो दीजिए, जहां आपने डूबने से बचाया था, लेकिन मैं ये कविताएं सरस्वती में नहीं छाप सकता।'

इतना ही नहीं, जो मैथिलीशरण गुप्त अब राष्ट्रकवि कहलाते हैं, एक समय उनकी कविताएं उन्होंने यह कहकर छापने से मना कर दी थीं कि 'सरस्वती' खड़ी बोली की पत्रिका है और वे ब्रजभाषा में कविताएं लिखते हैं। इसके बाद गुप्त ने उन्हें खड़ी बोली की कविताएं भेजीं, लेकिन अपना ब्रजभाषा वाला रसिकेन्द्र नाम ही लिखा, तो भी उन्हें फटकार ही मिली रू 'रसिकेन्द्र का जमाना चला गया'। फिर आचार्य ने उन्हें पत्र लिखा– आप 'सरस्वती' में लिखना चाहें तो इधर–उधर अपनी रचनाएं छपाने का विचार छोड़ दीजिए। जिस कविता को हम चाहें, उसे छापेंगे। लेकिन जिसे न चाहें, उसे भी न कहीं दूसरी जगह छपाइये, न किसी को दिखाइये, ताले में बन्द करके रखिये। अपना लिखा सभी को अच्छा लगता है परंतु उसके अच्छे–बुरे का विचार दूसरे लोग ही कर सकते हैं।' उनकी यह जिद 'रसिकेन्द्र' को मैथिलीशरण गुप्त बनाकर ही तुष्ट हुई।

अलबत्ता, 'अस्थिरता' के बदले 'अनस्थिरता' शब्द के पक्ष में बालमुकुन्द गुप्त से हुए लम्बे विवाद में पूरी शक्ति लगाकर भी आचार्य न उसका औचित्य सिद्ध कर पाये, न ही उसे प्रचलन में ला पाये। लेकिन 'सरस्वती' 'भारतमित्र' और 'हिन्दी बंगवासी' आदि पत्रिकाओं में उसको लेकर चले लम्बे विवाद से इतना तो हुआ ही कि लेखक और सम्पादक भाषा और वर्तनी की एकरूपता व व्याकरण सम्मतता के प्रति पहले से ज्यादा सचेत रहने लगे। उन्हीं की 'सरस्वती' से निकले गणेश शंकर विद्यार्थी (26 अक्तूबर, 1890–25 मार्च, 1931) अपने द्वारा सम्पादित 'प्रताप' के मुखपृष्ठ पर उसके मास्टहेड के ठीक नीचे उनका रचा यह दोहा छापते थे रू 'जिसको न निज गौरव तथा निज देश का अभिमान है। वह नर नहीं, नर पशु निरा है और मृतक समान है।' विद्यार्थी का जज्बा ऐसा था कि उन्होंने 'प्रताप' के प्रवेशांक में घोषणा की थी रू 'समस्त मानव जाति का कल्याण हमारा परमोद्देश्य है और इस उद्देश्य की प्राप्ति का एक बहुत बड़ा और बहुत जरूरी साधन हम भारतवर्ष की उन्नति को समझते हैं।'

यह जज्बा इस सम्पादकीय नैतिकता तक जाता था कि उन्होंने 1930 में गोरखपुर में हुए हिन्दी साहित्य सम्मेलन के अधिवेशन की अध्यक्षता की तो 'प्रताप' में उसकी रपट के साथ उसका चित्र छापने की अनुमति नहीं दी, क्योंकि उसमें वे भी शामिल थे और प्रताप में उसके सम्पादक का चित्र छापने या उसका महिमामंडन करने की सर्वथा मनाही थी। वे 'प्रताप' में छपने वाले एक–एक अक्षर की नैतिक व वैधानिक जिम्मेदारी खुद स्वीकार करते थे और जेल जाने की कीमत पर भी उसके लेखक या संवाददाता का नाम कतई नहीं बताते थे। मिथ्याभिमान से भी उन्हें सख्त एलर्जी थी। 'विशाल भारत' के बहुचर्चित सम्पादक बनारसीदास चतुर्वेदी (24 दिसम्बर, 1892–02 मई, 1985) की वृत्ति और भी स्वतंत्र व विशिष्ट थी। उनके प्रायः सारे सम्पादकीय फैसलों की एक ही कसौटी थी रू क्या उससे देश, समाज उसकी भाषाओं और साहित्यों, खासकर हिन्दी का कुछ भला होगा या मानव जीवन के किसी भी क्षेत्र में उच्चतर मूल्यों की प्रतिष्ठा होगी अथवा नहीं।

चुनावी नफा–नुकसान और सामाजिक समरसता

–विश्वनाथ सचदेव–

उस दिन अखबारों के पन्ने पलटते हुए अचानक एक समाचार पर नजर पड़ गयी। समाचार दक्षिण भारत के किसी कस्बे का था जहां के मुसलमानों ने अपने हिस्से की कुछ जमीन मंदिर बनाने के लिए दान कर दी थी। वैसे यह कोई अनोखा समाचार नहीं है, इस तरह की घटनाएं हमारे देश में घटती रही हैं जहां हिंदू या मुसलमान धार्मिक सौहार्द का परिचय देते रहे हैं। कभी हिंदुओं–मुसलमानों द्वारा रामनवमी साथ मिलकर मनाने और कभी ईद मिल–जुलकर मनाने का समाचार मिल जाता है। कुछ अर्सा पहले बंगाल में एक मंदिर में नमाज पढ़े जाने का समाचार आया था। इसी तरह कहीं एक हिंदू ने कब्रिस्तान के लिए जमीन दे दी थी। यह सब देखते हुए दक्षिण भारत के एक कस्बे में मुसलमान द्वारा मंदिर के निर्माण के लिए अपनी जमीन देने का समाचार बहुत चौंकाता नहीं है।

फिर भी वह समाचार पढ़कर यूं ही मन में ख्याल आया कि चुनाव के दौरान जिस तरह का वातावरण देश में जाने–अनजाने बनाया जा रहा है उससे इस तरह के समाचार को भीतर के किसी पन्ने लायक ही क्यों समझा गया? क्यों विस्तार से इस बारे में बात नहीं हुई। फिर, न जाने क्यों मैं दिन के कुछ और अखबारों के पन्ने पलट गया। मुझे कुछ अटपटा लगा जब किसी और अखबार में वह समाचार नहीं दिखा!

होना चाहिए था यह समाचार अखबारों में। खासकर तब जबकि देश में हो रहे चुनावों के चलते सांप्रदायिक तनाव की घटनाएं कुछ ज्यादा ही दिखने लगी हैं। हम अक्सर अपनी गंगा–जमुनी तहजीब पर गर्व करते हैं। यह तहजीब है भी गर्व करने लायक। पर आज जिस तरह राजनीतिक नफे–नुकसान के गणित ने हमारी इस तहजीब का चेहरा विकृत कर दिया है, उसे देखते हुए किसी मुसलमान द्वारा मंदिर के निर्माण के लिए अपनी जमीन देने की घटना का समाचार किसी एक अखबार के भीतरी पन्ने में छोटी–सी जगह पाने से कहीं अधिक महत्व पाने का हकदार माना जाना चाहिए।

हमने अपने संविधान में अपने देश को धर्मनिरपेक्ष घोषित किया है। इसका यह अर्थ कदापि नहीं है कि हम अधार्मिक हो गये हैं। इसका सीधा–सा अर्थ है हम सब धर्मों को समान दृष्टि से देखते हैं। यहां की सरकार किसी एक धर्म को तरजीह नहीं देगी। धर्म के नाम पर किसी के साथ किसी प्रकार का भेदभाव नहीं होगा हर एक को अधिकार होगा कि वह अपने ढंग से पूजा–अर्चना कर सके, अपनी आस्था के अनुसार जी सके। लेकिन इस आम चुनाव के प्रचार–काल में जिस तरह धर्म को वोट पाने–मांगने का माध्यम बनाया गया। उसे देखकर उन सबको चिंता होनी चाहिए जो देश के संविधान में आस्था रखते हैं और जिन्हें देश की गंगा–जमुनी सभ्यता पर गर्व है। प्रचार के दौरान जिस तरह धर्म के नाम पर ध्रुवीकरण के प्रयास हुए हैं वह चिंता की बात तो है ही, शर्म की बात भी है। देश के शीर्ष नेतृत्व से इस तरह की बातें सुनना किसी भी विवेकशील नागरिक को परेशान करने वाली बात होनी चाहिए। चुनावी सभा में हमारे नेता जहां एक ओर 'सबका साथ, सबका विकास' की दुहाई देते हुए राज्य की कल्याणकारी योजनाओं का लाभ सबको मिलने की बात कह रहे थे, वहीं तुष्टीकरण का तर्क देकर विपक्ष को आरोपी भी बना रहे थे। 75 साल तक एक पंथ–निरपेक्ष व्यवस्था में जीने के बाद इस तरह के ध्रुवीकरण का एक ही मतलब हो सकता है हम पंथ–निरपेक्षता की बात तो करते हैं, पर उसमें विश्वास नहीं करते। या तो ध्रुवीकरण के पक्षधर अपने आप को धोखा दे रहे हैं, या फिर दूसरों की समझ में शक करते हैं। हमारे संविधान निर्माताओं ने बहुत सोच–समझकर पंथ–निरपेक्षता को स्वीकारा था। यहां इस बात को नहीं भुलाया जाना चाहिए कि जब हमारा संविधान बन रहा था तो वही समय देश के विभाजन का भी था। यह भी नहीं भूला जा सकता कि इस विभाजन का मूल आधार धर्म ही था। यही नहीं, विभाजन के परिणामस्वरूप बने नए देश पाकिस्तान ने स्वयं को मुस्लिम राष्ट्र घोषित भी कर दिया था। लाखों शरणार्थियों का एक से दूसरे देश की ओर पलायन मनुष्यता के इतिहास की सबसे बड़ी त्रासदियों में से एक है। संविधान–सभा में यह तर्क भी दिया गया था कि जब धर्म के आधार पर देश का विभाजन हुआ है तो फिर भारत को हिंदू राष्ट्र क्यों न घोषित किया जाये। पर मनुष्यता में विश्वास करने वालों की संख्या अधिक थी। धर्म के नाम पर देश का बंटवारा भले ही हुआ था, पर हमारे नेतृत्व ने भारतीय समाज को हिंदू–मुसलमान में बांटना स्वीकार नहीं किया।

लेकिन यह दुर्भाग्य ही है कि बंटवारे के इस आधार को मानने वाले आज भी देश में हैं। आज भी धर्म के नाम पर समाज को बांटने की कोशिशें होती हैं। सांप्रदायिक सोच वाली यह राजनीति वोट जुटाने का साधन भले ही मानी जा रही हो, पर यह भारत की आत्मा को चोट ही पहुंचा रही है। इन चुनावों में भी हमने देखा है कि धर्म के नाम पर खुले आम वोट मांगे गये हैं। मजे की बात यह है कि देश का शीर्ष नेतृत्व यह कहता है कि वह 'हिंदू–मुसलमान नहीं करता' और उन्हीं के दल की असम सरकार का मुखिया स्पष्ट स्वीकारता है कि वह ऐसी राजनीति करता है और वह इसमें कुछ गलत नहीं मानता।

गलत है यह सांप्रदायिकता वाली राजनीति। गलत है वे जो यह मानते हैं कि इस देश का अल्पसंख्यक दूसरे दर्जे का नागरिक है। तुष्टीकरण की राजनीति को कोसने वाले यह भूल जाते हैं कि ध्रुवीकरण एक तरफा नहीं होता, यदि देश के मुसलमानों का वोट बैंक बनता है तो उससे कहीं बड़ा, बहुत बड़ा वोट बैंक हिंदुओं का बन जाता है। पिछले आम–चुनाव के समय एक राजनेता ने स्पष्ट कहा था कि उन्हें देश के बीस प्रतिशत अल्पसंख्यकों की आवश्यकता नहीं हैरू वे आश्वस्त थे कि देश की बहुसंख्यक आबादी के अस्सी प्रतिशत उन्हें समर्थन देंगे। अस्सी प्रतिशत किसी का वोट बैंक नहीं। सारे बहुसंख्यकों के प्रतिनिधित्व का दावा करने वालों को कभी चालीस प्रतिशत से अधिक वोट नहीं मिले। इसका अर्थ है साठ प्रतिशत मतदाता उनकी सांप्रदायिक राजनीति के समर्थक नहीं हैं।

140 करोड़ की जनता भाजपा को 140 सीट के लिए तरसा देगी –अखिलेश यादव

संवाददाता–महराजगंज। सपा मुखिया व प्रदेश के पूर्व सीएम अखिलेश यादव ने पीएम नरेंद्र मोदी पर जमकर हमला किया। गुरूवार को निचलौल के कृष्णा नगर स्थित किसान डिग्री कॉलेज में इंडिया गठबंधन के कांग्रेसी प्रत्याशी वीरेंद्र चौधरी के समर्थन में जनसभा को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि 140 करोड़ की जनता, भाजपा को 140 सीट के लिए तरसा देगी। चुनाव परिणाम आने के बाद मोदी बोलेंगे कि तपस्या में कुछ कमी रह गई होगी।

उन्होंने कहा कि जो लोग चार सौ पार का नारा दे रहे थे, अब वो सातवें चरण तक आते आते अपना नारा भूल गए हैं और उन्हें डर लग रहा है कि कहीं हार ना जाएं। अखिलेश यादव ने कहा कि कहने को तो ये डबल इंजन की सरकार है, तो ये हांफने क्यों लगते हैं, महाराजगंज आते आते। आज चुनाव का आखिरी दिन है, बीजेपी वाले टेंट तो बड़े बड़े लगा रहे हैं। लेकिन जनता नहीं आ रही हैं उनके वहां। यहां के सांसद जो हैं, पूरे खजाने के मंत्री हैं, वित्त मंत्री हैं। सोचो इनके पास कितने खजाने की चाबी है, पूरे देश के पैसे का हिसाब किताब है, बताओ महराजगंज को क्या मिला? क्या चीनी मिल चालू हो गई? क्या नौकरी मिल गई? अखिलेश सिंह ने कहा कि इन जनसभा में बीपीएड वाले हैं। बीएड वाले हैं। शिक्षामित्र व रोजगार सेवक भी होंगे। उत्तर प्रदेश में तमाम नौकरियां देनी थी वो नहीं दे पाए, चाहे शिक्षा विभाग हो चाहे पुलिस विभाग हो, हमारी सरकार आने पर सब जगह भरने का काम करेंगे।

जनसभा को संबोधित करते हुए पूर्व सीएम ने कहा कि इलेक्टोरल बॉन्ड से पैसा वसूला, किसी को नहीं छोड़ा, वैक्सीन कंपनी से पैसा वसूला। ये चुनाव हमारा आपका तो हैं ही, ये चुनाव आने वाली पीढ़ी का चुनाव है। 4 जून को मंगल है और मंगल ही हो जाएगा, जिन्होंने कहा था अच्छे दिन लाएंगे वो नहीं ला पाए, लेकिन 4 जून को सुनहरे दिन होंगे। 4 जून को मंगल के दिन ना केवल मित्र मंडली बदलेगी, मंत्री मंडल बदलेगा और मीडिया मंडल भी बदलेगा। भाजपा ने 26 लाख करोड़ के लगभग बड़े बड़े उद्योगपतियों का कर्ज माफ करने का काम किया। हम अपने किसानों से कह कर जा रहे हैं कि 4 जून के बाद किसानों और गरीबों का कर्ज माफ करने का काम करेंगे। सपा मुखिया ने कहा कि ये जो पसीना बहाया जा रहा है। वो इसलिए बहाया जा रहा है कि इस बार कि दिल्ली से सरकार में जो लोग हैं वो हटने जा रहे हैं।

पीएम मोदी पर हमला बोलते हुए सपा मुखिया ने कहा कि जो हमारे प्रधान सांसद जी हैं वो आजकल म शब्द के पीछे पड़े हुए हैं। इस चुनाव में कभी मीट की बात की, कभी मछली की बात की, कभी मुजरे की बात की और अब सुनने में आया है कि महात्मा गांधी की बात कर रहे हैं। ये जितने भी शब्द इस चुनाव में बोले हैं सब म शब्द से शुरू होते हैं। लेकिन म से महराजगंज भी है। वो अगर उधर पीछे पड़े हैं तो महराजगंज वाले भी भाजपा के पीछे पड़े हैं। जब तक जमानत जब्त नहीं होगी तब तक महराजगंज के लोग शांति से बैठने वाले नहीं हैं। पूर्व सीएम ने कहा कि सुनने में आ रहा है कि प्रधान सांसद कहीं तपस्या पर चले गए हैं। चुनाव परिणाम आने के बाद मोदी बोलेंगे कि तपस्या में कुछ कमी रह गई होगी। इस दौरान पूर्व मंत्री भूपेश बघेल ने कहा कि बनारस की जनता इस बार पीएम मोदी को गुजरात भेजने का मूड बना चुकी है।

समाप्त हो रहा सपा का वजूद, भूल जाएंगे लोग –राजनाथ सिंह

संवाददाता–कुशीनगर। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कहा कि जिस तरह धरती से डायनासोर समाप्त हो गए, उसी तरह कांग्रेस पार्टी का वजूद भी भारत से मिट जाएगा। आने वाले 10 वर्षों में देश के बच्चे भूल जाएंगे कि कांग्रेस नाम की कोई राजनैतिक पार्टी भी थी। कहा कि समाजवादी पार्टी की हालत भी पतली होती जा रही है। इस दल का भी अस्तित्व समाप्त होने वाला है। भाजपा जनता के विश्वास के आधार पर राजनीति करती है। हमारी सरकार में देश हर क्षेत्र में तेजी से आगे बढ़ रहा तो नए भारत का निर्माण हो रहा है। वह गुरुवार को रामकोला कस्बा के जूनियर हाईस्कूल के खेल मैदान पर कुशीनगर लोकसभा सीट से भाजपा प्रत्याशी विजय कुमार दूबे के समर्थन में चुनावी सभा को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि पीएम नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में आज भारत दुनिया के ताकतवर देशों की कतार में खड़ा है। कश्मीर की छिटपुट घटनाओं को छोड़ दिया जाए तो देशवासी अमन चौन से रह रहे हैं। हमारे पड़ोसी अपनी सीमा में रह रहे हैं। कहा कि उन्हें पता है कि जरूरत पड़ने पर भारत सीमा पार जाकर कार्रवाई करने में सक्षम है। रक्षा मंत्री ने कहा कि हम ब्रहमोस मिसाइल बना रहे हैं। देश की सुरक्षा के साथ अपने मित्र देशों को भी देंगे। इससे 800 किमी दूर दुश्मन के ठिकानों को पलक झपकते नेस्तनाबूत किया जा सकता है। यह बदलते हुए नए भारत की ताकत है। रक्षामंत्री ने कहा कि आपने पूर्ण बहुमत दिया तो कश्मीर से धारा 370 हटाया, अयोध्या में रामलला का दिव्य मंदिर भी बन गया। कहा कि लगभग दो वर्षों से रूस और यूक्रेन के बीच युद्ध चल रहा है। यूक्रेन में मेडिकल और इंजीनियरिंग की पढ़ाई करने वाले भारत के 22 हजार बच्चों की सुरक्षा की चिंता उनके स्वजन को होने लगी तो पीएम मोदी ने दोनों देशों के राष्ट्रपति से बातचीत की। साढ़े चार घंटे युद्ध रोक दिया गया और तिरंगा लगी गाड़ियों से सभी को सुरक्षित एयरपोर्ट लाया गया और हवाई जहाज से स्वदेश पहुंच गए। देश को यह ताकत मोदी ही दिला सकते हैं। भाजपा कभी भी हिंदू–मुस्लिम की बात नहीं करती, विपक्ष के नेता इस तरह की गलतफहमी पैदा करते हैं। हम सभी वर्ग के लोगों की बात करते हैं, उनके हितों की चिंता करते हैं।

अपने 25 मिनट के संबोधन में उन्होंने विपक्ष पर कड़ा प्रहार किया। कहा कि तीन तलाक की कुप्रथा को समाप्त कर सरकार ने मुस्लिम बेटियों का भविष्य सुरक्षित किया है। हमारे लिए सभी धर्म की बहू–बेटियां प्रिय हैं, इनकी सुरक्षा की हम गारंटी दे रहे हैं।

भारत वह देश है, जहां नारी की पूजा होती है। उन्होंने सीएम योगी आदित्यनाथ के कार्यों की सराहना करते हुए कहा कि 2017 के पहले प्रदेश में फल फूल रहे माफिया व गुंडाराज का सफाया कर दिया गया। यूपी के सीएम प्रचंड गर्मी में भी बदमाशों को शिमला जैसी शीतलता का अहसास करा रहे हैं।

दो की मौतः भाजपा सांसद बृजभूषण ने बेटे के बचाव में दिया बयान, बोले –जिम्मेदारी मेरा बेटा नहीं ड्राइवर लेगा

संवाददाता–गोण्डा। बाहुबली सांसद बृजभूषण शरण सिंह अपने बेटे और भाजपा प्रत्याशी करण भूषण सिंह के काफिले से दो युवकों की मौत और एक महिला के घायल होने के बाद से विपक्ष के निशाने पर हैं। पिता और बेटे ने अब चुप्पी तोड़ी है। बाहुबली सांसद बृजभूषण शरण सिंह अपने बेटे और भाजपा प्रत्याशी करण भूषण सिंह के काफिले से दो युवकों की मौत और एक महिला के घायल होने के बाद से विपक्ष के निशाने पर हैं। चारोंतरफा घेरेबंदी बढ़ने पर घटना के 24 घंटे बाद न सिर्फ करण भूषण सामने आए हैं बल्कि खुद बृजभूषण का वीडियो संदेश वायरल हो रहा है। इसमें दोनों पिता और बेटे हादसे पर खुद का बचाव करने के साथ ही बताया है कि पूरी घटना किन परिस्थितियों में हुई। काफिले को लेकर मीडिया में चल रही कुछ बातों का भी करण भूषण ने खंडन किया है। बृजभूषण ने यह भी कहा कि करण किसी तरह दोषी नहीं है। घटना की जिम्मेदारी गाड़ी चला रहे ड्राइवर ने ले ली है। उसे पुलिस ने गिरफ्तार भी कर लिया है। बुधवार की दोपहर करण भूषण सिंह के काफिले में शामिल फॉर्च्युनर से कुचलकर दो युवकों की मौत हो गई थी और एक महिला गंभीर रूप से घायल हो गई है। हादसे पर बृजभूषण ने कहा कि जो भी हुआ वह बहुत दुखद हुआ। ऐसा नहीं होना चाहिए था। पुलिस ने आरोपी ड्राईवर को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है। पूरे हादसे की जिम्मेदारी लेने के सवाल पर कहा कि मेरे बेटे की गाड़ी काफी आगे चल रही थी। हादसे वाली गाड़ी और मेरे बेटे की गाड़ी के बीच करीब तीन–चार किलोमीटर का फासला था। जिम्मेदारी मेरे बेटे की नहीं है। इसकी जिम्मेदारी ड्राइवर लेगा और उसी की जिम्मेदारी भी है।

वहीं बृजभूषण शरण सिंह के बेटे करण भूषण ने कहा कि मीडिया ने मुझे आरोपी की तरह दिखाया। सच यह है कि जब मुझे हादसे का पता चला उस वक्त मैं 4 से 5 किलोमीटर आगे निकलकर कार्यक्रम में पहुंच चुका था। करण ने यह भी कहा कि काफिला जैसा कुछ भी नहीं था। मैं 4 गाड़ियों को लेकर एक कार्यक्रम में बहराइच जा रहा था। करनैलगंज क्रॉसिंग से 4–5 किमी आगे जाने पर मेरे पास फोन आया कि गाड़ी का एक्सीडेंट हो गया। जैसे ही पता लगा मैंने तुरंत अपनी गाड़ी भेजी। घायलों को उस गाड़ी से अस्पताल पहुंचाया। मुझे मीडिया में बहुत बड़ा आरोपी दिखाया गया। अभी मेरा राजनीतिक करियर शुरू भी नहीं हुआ है। करण और उनके पिता बृजभूषण दोनों ने घटना के बारे में बताया कि एक महिला रोड क्रॉस कर रही थी। उस महिला से बाइक से आ रहे युवकों का एक्सीडेंट हुआ। इसके बाद बाइक अनियंत्रित होकर दूसरी साइड में गिर गई। जैसे ही बाइक के साथ दोनों युवक गिरे हम लोगों की गाड़ी से एक्सीडेंट हो गया। मीडिया में दिखाया जा रहा है 3 लोगों को रौंदा, जबकि ऐसा नहीं हुआ था। करण ने कहा कि हादसे के समय मेरे वहां होने की बात कही जा रही है। मैं तब कार्यक्रम में पहुंच चुका था। मेरी पीड़ित परिवार के साथ संवेदनाएं हैं। पुलिस ने अपना काम करते हुए गाड़ी को कब्जे में ले लिया है। ड्राइवर को गिरफ्तार करके जेल भेज दिया है।

गर्मी से बेहोश हुए अधिवक्ता की हार्ट अटैक से मौत

संवाददाता–श्रावस्ती। श्रावस्ती कचहरी में एक अधिवक्ता अचानक बेहोश हो गए। उन्हें जिला अस्पताल ले जाया गया जहां हार्ट अटैक से उनकी मौत हो गई। दीवानी न्यायालय परिसर में गुरुवार भीषण गर्मी के कारण एक वरिष्ठ अधिवक्ता बेहोश हो गया। जिसे साथी अधिवक्ताओं ने चौकी पर लिटाकर उस पर पानी का छिड़काव किया। इस दौरान तलाश के बाद भी न्यायालय में तैनात चिकित्सक के न मिलने पर उन्हें संयुक्त जिला चिकित्सालय ले जाया गया। जहां उनकी हार्ट अटैक से मौत हो गई। भिनगा कोतवाली क्षेत्र के ग्राम गोठवा के मजरा चौलाही निवासी चंद्र कुमार पाठक (65) पुत्र मनीराम पाठक पेशे से अधिवक्ता थे। प्रतिदिन की भांति गुरुवार को वह भिनगा कचहरी आए थे। जहां वह अपना कचहरी का काम निपटा रहे थे। दोपहर बाद अचानक उनकी तबीयत बिगड़ गई और वह बेहोश होकर गिर गए साथ में मौजूद अधिवक्ताओं ने उन्हें चौकी पर ले जाकर लिटाया। इस दौरान उन पर पानी का छिड़काव करने के साथ ही हाथ पंखे से हवा भी किया। इस दौरान साथी अधिवक्ताओं ने न्यायालय परिसर में तैनात चिकित्सक से संपर्क करने का प्रयास किया लेकिन उनका कहीं पता नहीं चल सका। इस पर अधिवक्ता उन्हें एंबुलेंस से संयुक्त जिला चिकित्सालय भिनगा ले गए। जहां इलाज के दौरान उनकी मौत हो गई। चिकित्सकों के अनुसार, अधिवक्ता की मौत का कारण हार्ट अटैक था। अधिवक्ता की मौत की सूचना के बाद सभी अधिवक्ता अस्पताल पहुंच गए।

अधिवक्ताओं ने अस्पताल में किया रक्तदान

संवाददाता–गोण्डा। अपने जुझारू तेवर के लिए प्रसिद्ध दिवंगत अधिवक्ता रवि प्रकाश पांडेय की प्रथम पुण्यतिथि पर शुक्रवार को श्रद्धांजलि सभा का आयोजन किया गया है। गुरुवार को उनकी स्मृति में कई वकीलों ने स्वैच्छिक रक्तदान कर उनके प्रति श्रद्धांजलि अर्पित की। फौजदारी अधिवक्ता संघ के महामंत्री अजेय विक्रम सिंह ने बताया कि शुक्रवार को जिले में अपनी अलग पहचान बनाने वाले अधिवक्ता स्वर्गीय रवि प्रकाश पांडेय की स्मृति में कलेक्ट्रेट परिसर में श्रद्धांजलि सभा का आयोजन किया गया है। उन्होंने बताया कि उनके प्रथमपुण्य तिथि की पूर्व संध्या पर फौजदारी बार एसोसिएशन की ओर से बाबू ईश्वर शरण अस्पताल में आयोजित रक्तदान शिविर में आनंद पाण्डे, सरस कुमार शुक्ला सहित कई लोगों ने स्वैच्छिक रक्तदान कर उन्हें श्रद्धांजलि दी। इस मौके पर शैलेंद्र कुमार मिश्रा शैलू , अजीम जाफरी , देवेंद्र कुमार सिंह दिलीप कुमार पांडेय, दिनेश चन्द्र श्रीवास्तव, अविनाश सिंह, आर्यन पांडेय सहित कई लोग उपस्थित रहे।

नकब काटकर लाखों की चोरी

संवाददाता–देवरिया। थाना क्षेत्र के बेलही गांव के खुशी टोले पर एक मकान का अज्ञात चोरों ने घर के पीछे से नकब काटकर घर में रखा सारा सामान उठा ले गये।सुबह जब परिजन घर की हालत देखे तो आवक रह गए। सूचना पाकर पहुँची पुलिस जांच पड़ताल में जुट गयी।

बेलही गांव के खुशी टोला निवासी नगीना यादव गांव के बाहर अपना मकान बनाकर सपरिवार रहते हैं। बुधवार को भोजन करने के बाद सपरिवार गर्मी के चलते छत पर सोने चले गए इसी बीच मौका पाकर अज्ञात चोर घर के पीछे नकब काटकर अंदर प्रवेश कर गए घर में रखा लगभग 2 लाख का जेवर लेकर चले गये।सुबह परिजन जब उठकर नीचे आए तो घर की हालत देख आवक रह गए इसी बीच गांव के लोगों की भीड़ इकट्ठा हो गयी। समान गांव के पश्चिम एक गन्ने खेत में बिखरा पड़ा था जिसमें से जेवर उठा ले गए थे तथा कपड़ा लता वहीं फेंक दिए थे। सूचना पाकर पहुंची पुलिस जांच में जुट गई । इस संबंध में प्रभारी अभिषेक तिवारी ने बताया कि घटना की सूचना पर पुलिस गई थी ।तहरीर मिली है कार्रवाई की जा रही है।

शरणागत रक्षक है श्री कृष्ण – जगतगुरु श्रीधराचार्य

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

अयोध्या ।दोसा राजस्थान से पधारे हुए भक्तों द्वारा आयोजित श्री मद भागवत कथा में व्यास पीठ पर विराजमान जगतगुरु रामानुजाचार्य स्वामीश्री श्री धराचार्य जी महाराज ने कथा के मार्मिक प्रसंगों का श्रवण कराते हुए कहा भक्त वत्सल प्रभु माया रूपी पूतना को भी उत्तम गति प्रदान करते है प्रभु श्री कृष्ण शिक्षा देते हैं व्यक्ति चाहे दुष्ट भाव से ही क्यों नहीं यदि मेरी शरण में आ जाता है तो प्रभु श्री कृष्ण का गुण है शरणागत रक्षक हैं भगवान श्री कृष्ण के सभी संस्कार गर्गाचार्य जी यथा समय पूर्ण करते है बचपन से ही प्रभु श्री कृष्ण अनेकों राक्षसों का संहार करते हैं प्रभु माखन चोरी लीला के माध्यम से जन्म जन्मांतरों के पाप को चुराकर पुण्य उदित करने हेतु गोपियों के घर जाकर माखन चोरी लीला करते हैं प्रभु गोचारण करने वन में जाते हैं गौ माता की सेवा नित्यप्रति करते हैं गौ माता के महत्व को बताते हुए प्रभु कहते हैं गाय संपूर्ण विश्व की माता है गो सेवा से ही गोविंद प्रसन्न होते हैं यमुना जी के विषाक्त जल को पवित्र करने के लिए कालिया नाग को प्रभू सरण में लेकर दूर भेज ते है ब्रज में प्रभु श्री कृष्ण के जन्म लेने से नित्य उत्सव मनाया जाते हैंरू प्रभु श्री कृष्ण का दर्शन पाकर सभी बृजवासी अपने को धन्य समझते है गिरिराज धरण की लीला के द्वारा प्रभु प्रकृति के पूजन का महत्व बताते हैं प्रभु श्री गोवर्धन पर्वत की पूजा सभी ब्रज वासियों से कराते हैं इंद्र सामंत मेघों के द्वारा ब्रज में घोर वृष्टि कराते हैं सभी ब्रजवासियों के देखते–देखते कनिष्ठा अंगुली में सात कोस लंबे चौड़े गिरिराज पर्वत को उठा लेते हैं घबराकर इंद्र प्रभु चरणों में शरणागति करते हैं शरण में आए इंद्र को प्रभु अपना लेते हैं गोवर्धन लीला का महोत्सव माधव भवन में धूमधाम से मनाया गया भगवान को छप्पन भोग का प्रसाद लगाया गया सभी भक्तजन कथा को सुनकर हर्ष का अनुभव कर रहे है भक्तजन कथा में पधारकर अपने जीवन को धन्य करें कथा का समय शाम 4 बजे से 7 बजे तक है।

श्री राम लला और हनुमान जी महाराज का दर्शन पूजन किया उपमुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

अयोध्या। महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस 30 मई गुरुवार को अयोध्या पहुंचे श्री राम लला हनुमान जी महाराज का दर्शन पूजन कर लिया आशीर्वाद। महर्षि वाल्मीकि एयरपोर्ट पर हनुमानगढ़ के संत महंत राजू दास ने स्वागत किया और उन्होंने पत्रकारों से कहा कि अयोध्या आना मेरे लिए हर्ष का विषय है प्राण प्रतिष्ठा के बाद पहली बार अयोध्या पहुंचा हूं इसके पूर्व जब राम मंदिर बन रहा था और जब श्री राम जन्मभूमि का आंदोलन चल रहा था उसे समय में तीन बार आंदोलन में शामिल होने के लिए अयोध्या पहुंचा था और कर सेवा भी की थी। मैं अपने आप को सौभाग्यशाली समझता हूं जो राम जी का आशीर्वाद मुझे मिलता रहता है। श्री राम लला के दर्शन पूजन के बाद हनुमानगढ़ी पर दर्शन पूजन के उपरांत गद्दी नशीन महंत प्रेम दास महाराज का आशीर्वाद प्राप्त किया हनुमानगढ़ी के वरिष्ठ पुजारी हेमंत दास महाराज ने हनुमान जी महाराज का चित्र भेंट किए, वही महंत राजू दास ने गदा भेटकर स्वागत किया।

गद्दी नशीन महंत प्रेम दास महाराज के महंत डॉ महेश दास महाराज ने बताया कि प्राण प्रतिष्ठा के बाद अयोध्या में दर्शन करने वाले भक्तों की संख्या कई गुना बढ़ी है हनुमान जी महाराज का भी आशीर्वाद प्राप्त करने के लिए प्रतिदिन भक्तों के साथ वीआईपी भी पहुंच रहे हैं आज महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री उपमुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस हनुमानगढ़ी पहुंचे दर्शन पूजन किया और दर्शन पूजन के उपरांत उन्होंने गद्दी नशीन महंत प्रेम दास महाराज का आशीर्वाद प्राप्त किया। श्री महाराज जी ने बताया कि सरल स्वभाव के हैं महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री उन्होंने अपने आपको सौभाग्यशाली समझ जो उन्हें अयोध्या आने के बाद प्रभु श्री राम लला और हनुमान जी महाराज का आशीर्वाद प्राप्त हुआ।

झाड़ी में मिला युवक का शव, खड्ड में मिली क्षतिग्रस्त बाइक

संवाददाता–श्रावस्ती। एक युवक का शव सड़क किनारे झाड़ी से बरामद हुआ। पास में स्थित खड्ड में मृतक की क्षतिग्रस्त अवस्था में बाइक पड़ी मिली। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव का पंचनामा कर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। इकौना थाना क्षेत्र के भोजपुर गांव के लोग गुरुवार सुबह शौच के लिए गए थे। इस दौरान लोगों ने सड़क किनारे खड्ड में एक क्षतिग्रस्त बाइक पड़ी देखी। लोग थोड़ा आगे बढ़े तो सड़क से करीब 50 मीटर दूर झाड़ी में एक युवक की लाश पड़ी थी। कुछ ही देर में यह खबर आग की तरह गांव में फैल गई और भारी संख्या में लोग मौके पर पहुंच गए। लोगों की ओर से पुलिस को सूचना दी गई। सूचना पर इकौना थाना प्रभारी निरीक्षक राकेश कुमार सिंह टीम के साथ घटनास्थल पर पहुंच गए।

पुलिस ने शव को कब्जे में ले लिया और उसकी शिनाख्त शुरू की। कुछ देर बाद कुछ महिलाएं व पुरुष रोते बिलखते घटनास्थल पर पहुंचे जिन्होंने ने मृतक की पहचान इकौना थाना क्षेत्र के बनियन पुरवा निवासी विक्रम (25) पुत्र बृजलाल के रूप में की। पहचान करने वाले मृतक के परिजन थे। परिजनों ने बताया कि विक्रम बुधवार को बाइक से अपनी बहन के घर गया था। देर रात को उसने फोन पर घर वापस आने की बात कही तो परिजनों ने आने से मना किया और कहा कि आज रात वह बहन के ही घर रुक जाए सुबह घर आना। इसके बाद फोन काट दिया। लेकिन वह नहीं माना और देर रात वह बहन के यहां से घर के लिए निकल पड़ा और घर नहीं पहुंचा। अनुमान लगाया जा रहा है कि सड़क हादसा हुआ है जिसमें विक्रम की मौत हो गई है। अब वह खुद अनियंत्रित होकर खड्ड में गिर गया या फिर किसी तेज रफ्तार वाहन ने टक्कर मारी जिसके बाद वह बाइक सहित उछल कर खड्ड में चला गया। यह जानकारी नहीं हो पाई है। लोगों के अनुसार यह एक सड़क हादसा ही है।

सिर कूचकर किशोरी की हत्या, पांच लोगों से पूछताछ कर रही पुलिस

संवाददाता–महराजगंज। पनियरा थाना क्षेत्र के ग्राम पंचायतध नरकटहां के रजही टोला में एक किशोरी का शव उसके निर्माणाधीन घर से पचास मीटर दूर खेत में मिला। ग्रामीणों ने उसकी हत्या की आशंका जताई है।

मिली जानकारी के अनुसार नरकटहां के रजही टोला निवासी संजना (17) बुधवार की देर रात तक अपने निर्माणाधीन मकान पर मिट्टी गिरवा रही थी। रात में वह ट्रैक्टर ट्राली के चालकों को टोकन देकर चक्कर गिन रही थी। रात में करीब डेढ़ बजे तक वह वहीं पर थी। गुरुवार की सुबह लोग खेतों की ओर गए तो मिट्टी गिराने वाले स्थान से कुछ दूरी पर उसका शव पड़ा था। उसका सिर ईंट से कूचा गया था।

मौके पर हत्या में इस्तेमाल ईंट भी मिली। सुबह शव देख कर काफी संख्या में लोग इकट्ठा हो गए और पुलिस को जानकारी दी। मौके पर सीओ सदर आभा सिंह फोरेंसिक टीम के साथ पहुंच गईं। पुलिस ने पांच लोगों को पूछताछ के लिए हिरासत में लेकर जांच शुरू कर दी।

प्रत्याशियों व अभिकर्ताओं के सामने खुलेगा स्ट्रांग रूम

संवाददाता–श्रावस्ती। चार जून को मतगणना सुबह आठ बजे शुरू होगी। लेकिन प्रत्याशियों अथवा एजेंटों के सामने स्ट्रांगरूम का ताला खोला जाएगा। जिसमें सुबह छह बजे सभी प्रत्याशी या प्रतिनिधि मौजूद रहेंगे। लोकसभा चुनाव की मतगणना सुबह आठ बजे से कलेक्ट्रेट के तथागत सभागार में होगी। जिसमें भिनगा विधानसभा निर्वाचन क्षेत्र के लिए सील्ड ईवीएम एवं वीवी पैट कलेक्ट्रेट स्थित कक्ष संख्या–38, 43, 44, 49 में बने स्ट्रांगरूप से जायी जाएंगी। इसी के साथ श्रावस्ती विधानसभा निर्वाचन की ईवीएम व वीवीपैट कक्ष संख्या–3, 4 एवं 5 में स्थापित स्ट्रांग रूम से लायी जाएंगी। स्ट्रांगरूम का ताला सुबह सुबह छह बजे खोला जाएगा। जिसमें प्रत्याशी या फिर उनके प्रतिनिधि मौजूद रहेंगे। डीएम कृतिका शर्मा ने बताया कि 289–भिनगा विधानसभा की मतगणना के लिए कार्यालय जिला पंचायत श्रावस्ती के सामने लगे छोटे गेट से प्रत्याशी या एजेंटों को प्रवेश दिया जाएगा। इसी तरह से श्रावस्ती विधानसभा की मतगणना के लिए कलेक्ट्रेट बाउण्ड्री में विकास भवन एवं जिला पंचायत रिसोर्स सेन्टर की दिशा में लगे छोटे गेट से प्रवेश दिया जाएगा। जबकि वाहनों को खड़ा करने के लिए गेट के बाहर मैदान में पार्किंग बनाई जाएगी। प्रवेश से पूर्व रिटर्निंग आफिसर की ओर से जारी किए गए मतगणना अभिकर्ता पहचान पत्र जांची जाएगी। सही मिलने पर ही प्रवेश दिया जाएगा। मोबाइल किसी भी दशा में मतगणना स्थल तक नहीं जाने दिया जाएगा। उन्होंने अपील की है कि चुनाव लड़ने वाले प्रत्याशी या प्रतिनिधि सुबह छह बजे पहुंच जाएं।

नायब तहसीलदार समेत पांच कर्मियों पर शिकंजा

संवाददाता–गोण्डा। प्रशासनिक कार्य हो अथवा काश्तकारों का किसी भी कार्य को समय पर न करने व प्रशासनिक आदेशों की अनदेखी करने आदि गंभीर आरोपों से घिरे नायब तहसीलदार सहित पांच कर्मचारियों के विरुद्ध एसडीएम ने कठोरतम कार्यवाही करते हुए स्पष्टीकरण मांगा है। एसडीएम अवनीश त्रिपाठी ने बताया कि चिश्तीपुर में तैनात लेखपाल प्रशांत विक्रम सिंह व पूरे तिवारी के राजस्व निरीक्षक राज बहादुर पांडेय के विरुद्ध वरासत को लेकर की गई शिकायत की जांच कराने पर आरोप सही पाया गया। जिस पर संबंधित लेखपाल व राजस्व निरीक्षक से तीन दिन के अंदर स्पष्टीकरण मांगा गया है। इनके अलावा गूंगीदेई के लेखपाल अरुण कुमार शर्मा को राजस्व नियमों के इतर कार्य करने अपने उत्तरदायित्वों का सही ढंग से निर्वहन न करने के आरोप में प्रतिकूल प्रविष्टि दी गई है। श्रीनगर के राजस्व निरीक्षक शिवदास व नायब तहसीलदार अहमद हसन को प्रशासनिक आदेशों की अवहेलना करने के आरोप में कठोर चेतावनी दी गई है।

अवैध मेडिकल स्टोर पर छापा, एक लाख की दवाइयां सीज

संवाददाता–गोण्डा। बलरामपुर जिले में अवैध रूप से चल रहे मेडिकल स्टोर पर छापेमारी करके ड्रग इंस्पेक्टर की टीम ने एक लाख रुपये से अधिक की ऐलोपैथिक दवाइयां सीज कर दी हैं। साथ ही चार नमूने जांच के लिए भरे गए हैं। जांच रिपोर्ट मिलने के बाद उसके खिलाफ कार्यवाही होगी।

सहायक आयुक्त (औषधि) देवीपाटन मंडल मनोज कुमार ने बताया कि इस संबंध में गुप्त सूचना मिली थी। इस पर ड्रग इंस्पेक्टर गोंडा राजिया बानो और ड्रग इंस्पेक्टर बलरामपुर आलोक कुमार त्रिवेदी ने संयुक्त रूप से थाना धानेपुर की फोर्स के साथ ग्राम पूरे तेंदुआ, कुतुबगंज बाजार में अवैध रूप से संचालित मेडिकल स्टोर पर छापा मारा। बताया जा रहा है कि यह मेडिकल स्टोर राजेश यादव पुत्र अशर्फी लाल निवासी मौजा देवारी खेरा, थाना रेहरा बाजार जनपद बलरामपुर द्वारा संचालित किया जा रहा था। छापेमारी के दौरान करीब एक लाख 1485 रुपये की एलोपैथिक दवाइयां सीज कर दी गईं। साथ ही चार नमूने जांच के लिए भरे गए।

अगले तीन दिनों तक नहीं आएगी बिजली

संवाददाता–सिद्धार्थनगर। चार दिनों से तापमान में लगातार वृद्धि जारी है। गुरुवार को पारा 45 पार हो गया और ऐसे में इस भीषण गर्मी में बिजली विभाग जर्जर तारों व बिजली पोलों को बदलने का काम कर रहा। उपकेंद्र खैरटिया के असनार फीडर पर बीते तीन दिनों से दिन में आपूर्ति नहीं दी जा रही। सुबह दस से शाम पांच बजे तक बिजली न रहने पर इस प्रचंड गर्मी अवर अभियंता में बच्चों महिलाओं व बुजुर्गों का जीना मुहाल हो गया है। बिजली विभाग के अनुसार, तीन जून तक काम पूर्ण होगा। असनार फीडर से जुडे कुल सत्तर गांवों में मंगलवार से 11 केवीए जर्जर तार व बिजली पोलों की मरम्मत की जा रही है। सत्तर गांवों में करीब 17200 मीटर तार खींचे जाने है एवं 23 जर्जर पोलों को बदला जाना है। ऐसे में दिन सुबह दस बजे से सात घंटे बिजली गुल रहती है। विभाग ऐसे समय पर काम शुरु किया जब भीषण गर्मी को देखते हुए मौसम विभाग ने दो जून तक के लिए हाई अलर्ट जारी कर रखा है। क्षेत्र के प्रदीप कुमार मिश्र, पवन त्रिपाठी, राम मिलन चौधरी का कहना हैं कि यह काम इस भीषण गर्मी से पहले ही क्यों नहीं विभाग कर लिया। मौसम विभाग द्वारा जारी अलर्ट का संज्ञान लेकर बिजली विभाग इस काम को बीस जून के बाद भी कर सकता था। तेज धूप व उमश भरी गर्मी में बिजली की कटौती कर विभाग उपभोक्ताओं को मारने पर उतारू है। अनिल कुमार पासवान, परमात्मा चौधरी, दुर्गा प्रसाद ने बताया कि रात में भी बिजली मात्र तीन चार घंटे ही मिल रही। विद्युत उप केंद्र खैरटिया के अवर अभियंता कृष्ण कुमार ने बताया कि तीन जून तक काम पूरा होने की उम्मीद हैं, वर्षा के दिनों में इन सभी गांव में आये दिन फाल्ट हो होता था इस लिए वर्षा पूर्व इसे सही कर लिया जा रहा है।

अभिकर्ताओं को सुबह पांच बजे पहुंचना होगा मतगणना स्थल

संवाददाता–संतकबीरनगर। मतगणना को लेकर जिलाधिकारी महेन्द्र सिंह तंवर ने लोकसभा क्षेत्र के सभी प्रत्याशियों और राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों के साथ एक बैठक किया। बैठक कलेक्ट्रेट सभागार में आयोजित हुई। इसमें सभी को मतगणना कार्यों के संबंध में की जाने वाली तैयारियों से संबंधित एवं मतगणना प्रक्रिया के दौरान निर्वाचन आयोग के दिशा–निर्देशों का पालन करने आदि से सम्बंधित जरूरी निर्देश दिए गए। इस दौरान पुलिस अधीक्षक सत्यजीत गुप्ता, उप जिला निर्वाचन अधिकारी जय प्रकाश व अपर पुलिस अधीक्षक शशिशेखर सिंह मौजूद रहे।

जिला निर्वाचन अधिकारी ने बताया है कि जनपद के तीनों विधानसभा निर्वाचन क्षेत्रों खलीलाबाद, मेंहदावल एवं धनघटा में सम्पन्न मतदान की मतगणना चार जून को हीरालाल रामनिवास स्नातकोत्तर महाविद्यालय खलीलाबाद में होगी। मतगणना सुबह आठ बजे से प्रारम्भ होगी। इसके लिए विधानसभा निर्वाचन क्षेत्रवार अलग–अलग मतगणना हाल में ईवीएम की मतगणना के लिए 14 टेबल निर्धारित किए गए हैं। सभी प्रत्याशी अपने मतगणना एजेण्ट बनाने के लिए फार्म–18 पर आवेदन कर दें, जिससे मतगणना से तीन दिन पहले प्राप्त आवेदन पर मतगणना एजेण्ट बना दिए जाएं। नियुक्त किये गये अभिकर्ता मतगणना के दिन प्रातः पांच बजे अनिवार्य रूप से उपस्थित होंगे। उनकी उपस्थित में स्ट्रांग रूम खोला जाएगा। मतगणना अभिकर्ता को अपने साथ पेन, पेन्सिल, सादा कागज, नोटपैड एवं 17 ग की डुप्लीकेट प्रति ले जाने की अनुमति होगी। अन्य कोई भी सामान ले जाने की अनुमति नहीं होगी। कोई भी अभ्यर्थी, गणना अभिकर्ता अपने साथ कोई आग्नेयास्त्र एवं मोबाइल फोन, इलेक्ट्रॉनिक गैजेट अथवा पानी की बोतल आदि लेकर मतगणना हाल में प्रवेश नहीं कर सकेंगे। उन्होंने बताया कि मतगणना परिणाम लाउडस्पीकर से घोषित किया जायेगा, मतगणना केन्द्र से 200 मीटर की परिधि के भीतर उम्मीदवारों, उनके निर्वाचन अभिकर्ता, मतगणना अभिकर्ता मतगणना कार्मिक, सुरक्षा कर्मियों एवं प्रशासनिक अधिकारियों, कर्मचारियों के अतिरिक्त अन्य सभी का प्रवेश वर्जित होगा। इस अवसर पर बसपा प्रत्याशी नदीम अशरफ, भाजपा प्रत्याशी प्रतिनिधि कमलेश, सपा प्रत्याशी प्रतिनिधि प्रमोद कुमार, पूर्व प्रदेश सचिव सपा रामदरश यादव, प्रगतिशील समाज पार्टी के प्रत्याशी धीरज श्रीवास्तव, निर्दलीय प्रत्याशी सत्यवन्त प्रताप सिंह, रामकृष्ण द्विवेदी आदि मौजूद रहे। डीएम ने बताया कि मतगणना परिणाम की घोषणा के उपरांत विजयी प्रत्याशी द्वारा कोई विजय जुलूस नहीं निकला जाएगा। संपूर्ण जनपद में पूर्व से ही आदर्श आचार संहिता एवं धारा–144 प्रभावी है। मतगणना के दिन प्रत्येक मतगणना अभिकर्ता को अपने पास मतगणना पास रखना अनिवार्य होगा, मतगणना पास के बिना मतगणना स्थल पर प्रवेश नहीं दिया जाएगा।

भीषण गर्मी के बीच मदरसे में चल रही पढ़ाई, झुलस रहे बच्चे

संवाददाता–सिद्धार्थनगर। भीषण गर्मी से पूरा प्रदेश झुलस रहा है। लू व तपन से चारों तरफ त्राहि–त्राहि मची है। सभी बोर्ड के स्कूल बंद चल रहे हैं, लेकिन उत्तर प्रदेश मदरसा बोर्ड से संचालित मदरसों में कक्षाएं प्रातरू सात से दोपहर 12 बजे तक चल रही हैं। इस भीषण गर्मी में मदरसा में पढ़ने के लिए आने वाले छात्र बेहाल हैं। मदरसा शिक्षक व छात्र छुट्टी की मनुहार कर रहे हैं। उत्तर प्रदेश माध्यमिक शिक्षक संघ के प्रदेश मंत्री संजय द्विवेदी ने बताया कि भीषण गर्मी में सरकारी व निजी विद्यालयों में छुट्टी चल रही है लेकिन राज्य के 16513 सरकारी मान्यता प्राप्त मदरसा के लाखों बच्चे प्रतिदिन सुबह सात से दोपहर 12 बजे पढ़ाई के लिए मदरसा पहुंचा कर झुलस रहे हैं। इतना ही नहीं भीषण गर्मी को देखते हुए यूपी मदरसा बोर्ड ने भी समय परिवर्तन का कोई आदेश जारी नहीं किया।

उन्होंने बताया कि रमजान में मदरसा सीधे एक माह तक बंद रहता है। इसके अलावा हर शुक्रवार को साप्ताहिक अवकाश होने से मदरसा में गर्मियों की छुट्टी को कोई प्रावधान नहीं है। हालांकि प्राकृतिक आपदा को देखते हुए डीएम के आदेशानुसार छुट्टी संभव है। पठन–पाठन का समय भी बदला जा सकता है।

13 जुलाई को लगेगी राष्ट्रीय लोक अदालत

संवाददाता–संतकबीरनगर। आगामी 13 जुलाई को जनपद में राष्ट्रीय लोक अदालत का आयोजन होगा। यह जानकारी जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के अध्यक्ष एवं जिला जज अनिल कुमार वर्मा प्रथम ने दी। उन्होंने बताया कि यह लोक अदालत राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण के निर्देश पर लगाई जाएगी। जनपद एवं सत्र न्यायाधीश अनिल कुमार वर्मा प्रथम ने बताया कि राष्ट्रीय लोक अदालत में किसी भी न्यायालय अथवा विभागीय मामलों को सुलह समझौते के आधार पर निस्तारित कराया जा सकता है। लोक अदालत में पक्षकार स्वयं उपस्थित होकर प्रार्थना पत्र दे सकता है। लोक अदालत में सुलह योग्य फौजदारी मामले, दीवानी वाद, भरण पोषण वाद, मोटर अधिनियम वाद, स्टांप व पंजीयन वाद, चकबंदी वाद, श्रम वाद, मोटर दुर्घटना प्रतिकर वाद, उपभोक्ता फोरम के मामलों के अतिरिक्त वैवाहिक एवं पारिवारिक मामलों का भी निस्तारण सुलह समझौते के आधार पर किया जा सकता है। ऐसे पारिवारिक मामलों जो किसी न्यायालय में लंबित नहीं है उसे प्री–लिटिगेशन स्तर पर पक्षकार द्वारा प्रार्थना पत्र देकर सुलह समझौते के माध्यम से निस्तारित कराया जा सकता है। लोक अदालत का आदेश सिविल न्यायालय की डिग्री के समान होगा। जिला जज ने जनपद की सम्मानित जनता से राष्ट्रीय लोक अदालत को सफल बनाने का अनुरोध किया। उन्होंने कहा कि किसी भी प्रकार की जानकारी के लिए जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के कार्यालय से संपर्क किया जा सकता है।

पंचायत सहायक का मानदेय भुगतान न करना प्रधान की बन सकता है गले की फांस

संवाददाता–संतकबीरनगर। डीपीआरओ अविनाश कुमार ने बताया कि विकास खंड बघौली के जंगल कला निवासी देवेंद्र कुमार कन्नौजिया ने डीएम को शिकायती पत्र दिया। जिसमें कहा कि वह जंगल कला में पंचायत सहायक के पद पर तैनात है। उनके जरिए सुचारु रूप से कार्य किया जा रहा है,लेकिन 15 महीने से मानदेय नहीं मिला है। डीएम ने उक्त शिकायत की जांच एडीओ पंचायत बघौली से कराया। एडीओ पंचायत के जरिए आंख्या दी गई कि सचिव ने अवगत कराया है कि अक्तूबर 2022 से सितंबर 2023 तक कुल 11 महीने का डोंगल लगा दिया गया है,लेकिन प्रधान ने पंचायत सहायक के मानदेय बाउचर पर डोंगल लगाने से इनकार कर दिया। डीएम ने 14 जनवरी 2024 को प्रधान संध्या देवी को कारण बताओ नोटिस जारी कर जवाब मांगा। प्रधान ने जवाब दिया। जिसमें कहा कि पंचायत सहायक कभी पंचायत भवन पर नहीं बैठते हैं,केवल ऑनलाइन हाजिरी लगाते हैं। एक प्राइवेट कंप्यूटर की दुकान पर काम करते हैं। ग्राम पंचायत में राजनीतिक रूप से सक्रिय रहते हैं। जिससे हमेशा विवाद बना रहता है। प्रधान ने शासनादेश में दी गई व्यवस्था के अनुसार तत्समय ग्राम पंचायत की बैठक कराकर पंचायत सहायक के उक्त कृत्य के लिए कार्रवाई नहीं की गई। प्रधान के जरिए अपने पदीय दायित्यों का निर्वहन ठीक ढंग से नहीं किया जा रहा है। इसके साथ ही शासनादेश के विपरीत कार्य किया जा रहा है।

अदालती नोटिस

सम्मन बरगज इनफिसाल मुकदमा
(आर्डर 5 कायदा 1 व 5 मजमुआ जाप्ता 200 ई0)
वाद सं0 D 202317140000667
अदालत– श्रीमान मुख्य राजस्व अधिकारी बस्ती जिला बस्ती

रमई
बनाम
बृजमोहन

1. बृजमोहन पुत्र नाथे उम्र 60 वर्ष ग्राम डमरूआ जंगल (कैनपुरा) तप्पा हरदी परगना बस्ती पश्चिम तहसील हर्रैया जिला–बस्ती

तारीख पेशी 11–06–2024

वाजेह हो कि ने आपके नाम एक नालिस बाबत दायर की है। लिहाजा आपको हुक्म होता है कि आप बतारीख 11 माह 06 सन 2024 ई0 बवक्त 10 बजे दिन बमुकाम असालतन या मारफत वकील के जो मुकदमे के हालत से करार वाकई वाकिफ किया गया हो और जो कुल उमूर अहम मुतल्लिका मुकदमा जबाब दे सके या जिसके साथ कोई और सख्श हो जो कि जबाब ऐसे सवालत का दे सके हाजिर हों और जबाबदेही दावा कीजिये और हरगाह वही तारीख जो आपके हाजिरी के लिये मुकर्रर है वास्ते इनफिसाल कत्तई मुकदमा के तजबीज हुई है और आपको लाजिम है कि उसी रोज जुमला दस्तावेज को जिनको आप अपनी जबाबदेही के तहत इस्तदलाल करना चाहते हों पेश करें।

आपको इत्तिला दी जाती है कि अगर बरोज मजकूर आप हाजिर न होंगे तो मुकदमा बगैर हाजिरी आपके मसमुआ और फैसला होगा।

बसख्त मेरे दस्तखत और मुहर अदालत के आज बतारीख 30 माह 05 सन 2024 ई0 जारी किया गया।

द0 हाकिम

अदालती नोटिस

सम्मन बरगज इनफिसाल मुकदमा
(आर्डर 5 कायदा 1 व 5 मजमुआ जाप्ता 200 ई0)
वाद सं0 T 2023817140306739
अदालत– श्रीमान उप जिलाधिकारी (न्यायिक) बस्ती जिला बस्ती

श्रीमती चित्रावती
बनाम
पवन कुमार

1. पवन कुमार 2. भवानी शंकर पुत्रगण रामशंकर 3. श्रीमती विमला देवी पत्नी रामशंकर निवासीगण ग्राम कूढ़ापट्टी दरियांव तप्पा कूढ़ा परगना नगर पूरव तहसील व जिला–बस्ती 4. अनिल कुमार पुत्र रामशंकर यादव निवासी गोपियापार तप्पा खुरियार परगना नगर पूरव तहसील व जिला बस्ती 5. ग्राम पंचायत कूढ़ापट्टी दरियांव द्वारा प्रधान निवासी गोपियापार तप्पा खुरियार परगना नगर पूरव तहसील व जिला बस्ती 6. सरकार उ0प्र0 द्वारा जिलाधिकारी बस्ती

तारीख पेशी 03–06–2024

वाजेह हो कि ने आपके नाम एक नालिस बाबत दायर की है। लिहाजा आपको हुक्म होता है कि आप बतारीख 03 माह 06 सन 2024 ई0 बवक्त 10 बजे दिन बमुकाम असालतन या मारफत वकील के जो मुकदमे के हालत से करार वाकई वाकिफ किया गया हो और जो कुल उमूर अहम मुतल्लिका मुकदमा जबाब दे सके या जिसके साथ कोई और सख्श हो जो कि जबाब ऐसे सवालत का दे सके हाजिर हों और जबाबदेही दावा कीजिये और हरगाह वही तारीख जो आपके हाजिरी के लिये मुकर्रर है वास्ते इनफिसाल कत्तई मुकदमा के तजबीज हुई है और आपको लाजिम है कि उसी रोज जुमला दस्तावेज को जिनको आप अपनी जबाबदेही के तहत इस्तदलाल करना चाहते हों पेश करें।

आपको इत्तिला दी जाती है कि अगर बरोज मजकूर आप हाजिर न होंगे तो मुकदमा बगैर हाजिरी आपके मसमुआ और फैसला होगा।

बसख्त मेरे दस्तखत और मुहर अदालत के आज बतारीख माह सन 20 ई0 जारी किया गया।

द0 हाकिम

अदालती नोटिस

सम्मन बरगज इनफिसाल मुकदमा
(आर्डर 5 कायदा 1 व 5 मजमुआ जाप्ता 200 ई0)
वाद सं0
धारा 30 उ0प्र0रा0सं0 2006
अदालत– श्रीमान सी0आर0ओ0 बस्ती जिला बस्ती

जग प्रसाद
बनाम
ग्राम पंचायत टन्डौठी

1. ग्राम पंचायत टन्डौठी 2. मो0 रजा पुत्र बेकारू 3. राजमती पत्नी बाबूलाल 4. मुकेश पुत्र बाबूलाल 5. बंशराज पुत्र सोमई 6. राम सूरत पुत्र महघू 7. श्रीमती लखपाती पत्नी महघू 8.श्रीमती किसलावती पत्नी चन्द्रजीत 9. राम प्रसाद पुत्र रतन 10. भूलन पुत्र बंशराज 11. ताज मोहम्मद 12. जैस मोहम्मद 13. इमताज हुसैन पुत्रगण नसरूल्लाह 14. अमरनाथ पुत्र अगरदी 15. श्रीमती भुगना पत्नी अगरदी 16. रामनरेश पुत्र शिवपूजन 17. गीता देवी पत्नी रामनरेश 18. रमापति पुत्र रामअधीन निवासीगण ग्राम टन्डौठी तप्पा छपिया परगना रसूलपुर तहसील भानपुर जिला–बस्ती

तारीख पेशी 08–06–2024

वाजेह हो कि ने आपके नाम एक नालिस बाबत दायर की है। लिहाजा आपको हुक्म होता है कि आप बतारीख 08 माह 06 सन 2024 ई0 बवक्त 10 बजे दिन बमुकाम असालतन या मारफत वकील के जो मुकदमे के हालत से करार वाकई वाकिफ किया गया हो और जो कुल उमूर अहम मुतल्लिका मुकदमा जबाब दे सके या जिसके साथ कोई और सख्श हो जो कि जबाब ऐसे सवालत का दे सके हाजिर हों और जबाबदेही दावा कीजिये और हरगाह वही तारीख जो आपके हाजिरी के लिये मुकर्रर है वास्ते इनफिसाल कत्तई मुकदमा के तजबीज हुई है और आपको लाजिम है कि उसी रोज जुमला दस्तावेज को जिनको आप अपनी जबाबदेही के तहत इस्तदलाल करना चाहते हों पेश करें।

आपको इत्तिला दी जाती है कि अगर बरोज मजकूर आप हाजिर न होंगे तो मुकदमा बगैर हाजिरी आपके मसमुआ और फैसला होगा।

बसख्त मेरे दस्तखत और मुहर अदालत के आज बतारीख 30 माह 05 सन 2024 ई0 जारी किया गया। द0 हाकिम

अवैध कच्ची शराब के साथ गैंगस्टर गिरफ्तार,भेजा गया जेल

संवाददाता–गोरखपुर। गुलरिहा क्षेत्र के आयुष विश्वविद्यालय के पास गुरुवार की सुबह गुलरिहा पुलिस और आबकारी विभाग की संयुक्त टीम ने जांच के दौरान कच्ची शराब बेचने वाले एक एक गैंगस्टर को बाइक समेत गिरफ्तार कर लिया। तलाशी के दौरान उसके पास से 60 लीटर कच्ची शराब, 750 ग्राम नौसादर, दो किलो यूरिया बरामद हुई। आरोपी को कोर्ट में पेश करने के बाद जेल भेज दिया गया। पुलिस बाइक से कूदकर फरार होने वाले दूसरे आरोपी की तलाश कर रही है।

जानकारी के मुताबिक लोकसभा चुनाव में अवैध गतिविधियों पर अंकुश लगाने के लिए गुलरिहा पुलिस एवं आबकारी विभाग की संयुक्त टीम गुरुवार की सुबह आयुष विश्विद्यालय के पास चेकिंग कर रही थी। मुखबिर की सूचना पर एक अपाची बाइक पर सवार दो युवक को पुलिस ने रोका तो एक युवक बाइक से कूदकर भाग निकला। दूसरे युवक को पुलिस ने दबोच लिया। उसकी पहचान पिपराइच क्षेत्र के अतरौलिया निवासी तूफानी निषाद के रूप में हुई। पकड़ा गया अभियुक्त पिपराइच थाने का गैंगस्टर है। 2023 में पिपराइच पुलिस उसे अवैध शराब बनाकर बेचने के आरोप में जेल भेज चुकी है।

मंदिर के पुजारी का बैग नगदी सहित चोरी

संवाददाता–गोरखपुर। गुलरिहा थाना क्षेत्र के सराय गुलरिहा स्थित शिव मंदिर के पुजारी संतोष दास का बैग बुधवार की रात अज्ञात चोर चुरा ले गए।

बैग में पुजारी के कपड़े और नकद चार हजार रुपया था। मंदिर में लगे सीसी टीवी कैमरे में चोरी की हरकत कैद हो गयी। सीसीटीवी फुटेज के आधार पर गुरुवार की सुबह कुछ युवकों ने गांव के बाहर एक व्यक्ति को पकड़ लिया। जिसकी पहचान कुशीनगर जिले के अहिरौली थाना क्षेत्र के लखिमा गांव निवासी दिनेश कुमार रूप में हुई। पकड़े गए चोर के पास से चोरी के 345 रुपए बरामद हुए।

पांडिचेरी की उप राज्यपाल किरण बेदी ने किए रामलला के दर्शन, बोलीं – ये मेरा सौभाग्य है

संवाददाता–अयोध्या। पांडिचेरी की उप राज्यपाल किरण बेदी बृहस्पतिवार को अयोध्या पहुंची। वह अपनी मां की बरसी के मौके पर रामलला के दर्शन करने आई हैं। किरण बेदी ने कहा कि ये मेरा सौभाग्य है कि मुझे रामलला के दर्शन करने का मौका मिला। मैं प्रधानमंत्री मोदी और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की बहुत आभारी हूं। उन सभी की आभारी हूं, जिनकी वजह से अयोध्या में राम मंदिर बना। यह भारतवर्ष का सौभाग्य है, हर भारतीय का सौभाग्य है। जो भगवान राम में विश्वास करता है, वह तो अपने जीवन में अयोध्या में रामलला का दर्शन करने जरूर आएगा।

अयोध्या एक तीर्थ स्थान बन गया है। बहुत दिनों बाद मैं अयोध्या आई हूं, मेरी मां की आत्मा को सुकून मिला होगा। पहले की अयोध्या में और अब की अयोध्या में जमीन–आसमान का अंतर हो गया है। जब भगवान रामलाल टेंट में थे, तब भी मैं एक बार आई थी और अब आई हूं। उन्होंने कहा कि हर भारतीय के लिए अयोध्या एक डेस्टिनेशन बन चुकी है, उनको अयोध्या आना ही आना है। जैसे हम लोग हरिद्वार हर की पैड़ी जाते हैं, अपने बड़ों की याद करते हैं, वैसे ही अयोध्या भी अब ऐसी जगह बन गई है।

सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि प्रार्थी किलोधर पुत्र स्वर्गीय श्री रामलखन ग्राम– लौकियहवां पोस्ट– गांधीनगर जनपद बस्ती (उ.प्र.) का निवासी है। मेरे आधार कार्ड में त्रुटिबश मेरा नाम चिलई चौधरी CHILAI CHAUDHARY हो गया है जो गलत है। इसे सुधारकर किलोधर KILODHAR कराया जाय।

अदालती नोटिस

सम्मन वास्ते करारवाद उमूर तनकीह तलब
(आर्डर 5 कायदा 1 व 5)
वाद सं0 382 / 2023
अदालत–श्रीमान सिविल जज (सी0डि0) बस्ती महोदय जिला–बस्ती

रामचेत आदि
बनाम
श्रीराम आदि

1. श्रीराम वयस्क 2. जयराम वयस्क पुत्रगण अयोध्या 3. रामउग्रह वयस्क पुत्र ललई 4. राकेश वयस्क 5. राजेश वयस्क पुत्रगण पुसई साकिनान कटरूआवीर सिंह पो0 नरायनपुर तप्पा पिपरा परगना नगर पूरव तहसील व जिला बस्ती

–प्रतिवादीगण प्रथम वर्ग

6. रामनरेश वयस्क 7. राम गनेश वयस्क 8. राम महेश वयस्क पुत्रगण राम भरोस 9. गीतादेवी वयस्क पत्नी अनिल शर्मा पुत्री राम उजागिर साकिनान नरायनपुर पो0 नरायनपुर तप्पा पिपरा परगना नगर पूरव तहसील व जिला बस्ती

–प्रतिवादीगण द्वितीय वर्ग

तारीख पेशी 05–08–2024

हरगाह ने आपके नाम नालिश बाबत के दायर की है। लिहाजा आपक 05 माह 08 सन 2024 ई0 बवक्त 10 बजे दिन असालतन या मारफत वकील के जो मुकदमें के हालत से करार वाकई वाकिफ किया गया हो और जो कुल उमूर अहम मुतल्लिका मुकदमा जबाब दे सके या जिसके साथ कोई और सख्श हो जो कि जबाब ऐसे सवालत का दे सके हाजिर हों और जबाबदेही दावा कीजिये और हरगाह वही तारीख जो आपके इजहार के लिये मुकर्रर है वास्ते इनफिसाल कत्तई मुकदमा के तजबीज हुई है और आपको लाजिम है कि उसी रोज जुमला दस्तावेज को जिनको आप अपनी जबाबदेही के तहत इस्तेमाल करना चाहते हों पेश करें।

आपको इत्तिला दी जाती है कि अगर बरोज मजकूर आप हाजिर न होंगे तो मुकदमा बगैर हाजिरी आपके मसमुआ और फैसला होगा।

बसख्त मेरे दस्तखत और मुहर अदालत के आज बतारीख 30 माह 05 सन 2024 ई0 जारी किया गया।

द0 हाकिम

अदालती नोटिस

सम्मन वास्ते करारवाद उमूर तनकीह तलब
(आर्डर 5 कायदा 1 व 5)
M.A.C.P.N0 179 / 2022
अदालत–श्रीमान समक्ष मोटर दुर्घटना दावा अधिकरण महोदय जिला–बस्ती

मधु आदि
बनाम
जमशेद आलम आदि

1. जमशेद आलम खान पुत्र इकबाल हुसैन निवासी 169 / ए न्यू0 कालोनी जाफरा बाजार वार्ड नं0–51 गोरखपुर पिनकोड 273001 उ0प्र0 (वाहन स्वामी U.P.53 DM–3134)
2. इजहार हसन पुत्र विलाश्त हुसैन साकिन अधियारी बाग सदर थाना तिवारीपुर जिला गोरखपुर उ0प्र0 (वाहन चालक U.P.53 DM–3134)

तारीख पेशी 31–05–2024

हरगाह ने आपके नाम नालिश बाबत के दायर की है। लिहाजा आपक 31 माह 05 सन 2024 ई0 बवक्त 10 बजे दिन असालतन या मारफत वकील के जो मुकदमें के हालत से करार वाकई वाकिफ किया गया हो और जो कुल उमूर अहम मुतल्लिका मुकदमा जबाब दे सके या जिसके साथ कोई और सख्श हो जो कि जबाब ऐसे सवालत का दे सके हाजिर हों और जबाबदेही दावा कीजिये और हरगाह वही तारीख जो आपके इजहार के लिये मुकर्रर है वास्ते इनफिसाल कत्तई मुकदमा के तजबीज हुई है और आपको लाजिम है कि उसी रोज जुमला दस्तावेज को जिनको आप अपनी जबाबदेही के तहत इस्तेमाल करना चाहते हों पेश करें।

आपको इत्तिला दी जाती है कि अगर बरोज मजकूर आप हाजिर न होंगे तो मुकदमा बगैर हाजिरी आपके मसमुआ और फैसला होगा।

बसख्त मेरे दस्तखत और मुहर अदालत के आज बतारीख माह सन 20 ई0 जारी किया गया।

द0 हाकिम

लाइब्रेरी में पढ़ रहे युवक को फोन कर बाहर बुला कर पीटा

संवाददाता–गोरखपुर। चिलुआताल थाना क्षेत्र के मोहरीपुर बाजार के शंकरपुर चौराहे के पास मनबढ़ों ने लाइब्रेरी में पढ़ रहे युवक को बाहर बुलाकर लाठी–डंडे से मारपीट कर घायल कर दिया अगल–बगल के लोगों ने किसी तरह उसकी जान बचाई। पीड़ित की शिकायत पर चिलुआताल पुलिस मुकदमा दर्ज कर जांच–पड़ताल कर रही है। स्थानीय थाना क्षेत्र के जंगल बेनीमाधव न. 2 मोहरीपुर निवासी प्रिंस साहनी ने चिलुआताल पुलिस को लिखित तहरीर देकर बताया कि मैं प्रतिदिन की भांति मोहरीपुर शंकर चौराहे पर संचालित अल्फा लाइब्रेरी में बैठ कर पढ़ाई कर रहा था। बुधवार की शाम लगभग 6 बजे सौरभ यादव निवासी करहिया अपने तीन–चार अज्ञात साथियों को साथ लेकर आया और मेरे मोबाइल पर फोन कर बाहर आने को कहा। मेरे बाहर निकलते ही गाली देते हुए लाठी–डंडे से पीटने लगा। अगल–बगल के लोगों ने किसी तरह से बीच बचाव कर मामला शांत कराया। आरोपी जान से मारने की धमकी देते हुए फरार हो गए।

भाभी से बात करना पत्नी को लगा नागवार, विरोध पर पीटा

संवाददाता–गोरखपुर। चिलुआताल थाना क्षेत्र के मजनू चौकी अन्तर्गत एक गांव में पति का भाभी से बात करना पत्नी को अच्छा नहीं लगा। उसने विरोध किया तो पति ने भाभी संग मिल कर मारपीट कर उसे घायल कर दिया। पीड़िता की तहरीर पर चिलुआताल पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

मजनू चौकी क्षेत्र के ग्राम सभा अवईपाकड़ निवासी पूनम पत्नी राजेन्द्र ने चिलुआताल पुलिस को तहरीर देकर बताया कि मेरे पति बाहर रह कर मेहनत मजदूरी कर परिवार का भरण पोषण करते हैं। 29 मई को चार साल बाद घर आये थे। वह अपनी भाभी उर्मिला पत्नी लक्ष्मण के पास बैठ कर बात कर रहे थे।

मुझे नागवार लगा तो मैंने इसका विरोध किया। इससे नाराज पति राजेन्द्र, भाभी उर्मिला व मीरा पत्नी धर्मेन्द्र ने मिलकर मारपीट कर घायल कर दिया। तहरीर के आधार पर चिलुआताल पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

अदालती नोटिस

इश्तहार मजरिया अदालत– श्रीमान सिविल जज (जू0डि0) बस्ती जिला–बस्ती
प्रकीर्णवाद सं0 147 / 2024
रिंकी पाण्डेय–सायल

1. रिंकी पाण्डेय उम्र 24 वर्ष पुत्री गणेशदत्त पाण्डेय ग्राम केशवपुर तप्पा खुरियार परगना नगर पश्चिम तहसील हर्रैया जिला–बस्ती

तारीख पेशी 18–07–2024

प्रार्थना पत्र अन्तर्गत धारा–372 भारतीय उत्तराधिकार अधिनियम–1925
दरख्वास्त मुसम्मा
वास्ते हुसूल सर्टीफिकेट वसूल कर्जा व विकालत हाय दरख्वास्त मुसम्मा मुतवफ्फा अपने बमूजिब एक्ट 7 सन 1889 ई0 वकैद

हरगाह मुसम्मा ने दरख्वास्त हुसूल सर्टीफिकेट गुजरानी है और तारीख माह सन ई0 वास्ते समाअत दरख्वास्त के मुकर्रर हुई है। लिहाजा यह इश्तिहार जारी किया जाता है कि किसी को निस्बत के उज्र हो या असालतन या वकालतन वक्त 10 बजे सुबह अदालत सिविल जज (जू0डि0) बस्ती बतारीख पेशी 18–07–2024 मुकर्रर हाजिर होकर उज्र अपना पेश करें। दरसूरत इनकजाय तारीख मजकूर के फिर उज्र किसी का सुना न जायेगा और हुक्म मुनासिब निस्बत दरख्वास्त मजकूर के सादिर होगा।

अलमरकूम माह सन 20 ई0।

द0 हाकिम

अदालती नोटिस

इत्तिलानामा बनाम रेपान्डेन्ट बावत इत्तिला तारीख मुकर्ररह समायत अपील
वाद सं0 650 / 2023
अदालत– श्रीमान सिविल जज (जू0डि0) बस्ती जिला–बस्ती

ताड़कनाथ
बनाम
भानमती आदि

1. राजू पुत्र जसकरन 2. रामजनक 3. रामभवन पुत्रगण रामकरन ग्राम खुशहालगंज तप्पा दुबौलिया परगना अमोढ़ा तहसील हर्रैया जिला–बस्ती

तारीख पेशी 30–07–2024

अपील बनराजी अदालत मुकाम बस्ती
मयरिखा महीना सन् 20 ई0
रेस्पान्डेन्टस

इत्तिला दी जाती है कि अपील बनराजी डिगरी इस मुकदमें में मुसम्मी ने पेश इस अदालत में दर्ज रजिस्टर हुआ और इस अदालत व तारीख 30 महीना 07 सन 2024 ई0 वास्ते जमानत तथा अपील मुकर्रर का है।

अगर खुद या आपके वकील या और शख्स जो कानूनन आपकी तरफ से अपील हाजा में जबाब सवाल करने वाजिद हो हाजिर न आयेगा तो उसकी समायत और तजबीज आपकी गैर हाजिरी में एकतरफा हो जायेगी। आज बतारीख माह सन 20 ई. मेरे दस्तखत और मुहर अदालत के हवाले किया गया।

द0 हाकिम

अदालती नोटिस

इत्तिलानामा दरख्वास्त हुसूल हुक्म मुशहर मन्सूखी डिसमिसी नालिश
(आर्डर 9 कायदा 9) (2)
अदालत–श्रीमान सिविल जज (जू0डि0) खलीलाबाद बस्ती जिला–बस्ती
नम्बर मुकदमा 40 / 2002
प्रकीर्णवाद सं0 110 / 2023

रामललित
बनाम
जयश्री आदि

1/2/1 राम कुमार पुत्र धर्मराज साकिन खजुराखुर्द तप्पा व तहसील मेंहदावल परगना मगहर पूरव जिला–संतकबीरनगर

तारीख पेशी 19–07–2024

हरगाह मुद्दई मजकुरूसदर ने इस अदालत में दरख्वास्त हुकूम मुशहर मन्सूखी डिसमिसी नालिश नाबुदा हस्ब हिदायत अदालत हाजा बतारीख माह सन ई0 पेश को है।

लिहाजा आपको इत्तिला दी जाती है कि आप इस अदालत में बतारीख 19 माह 07 सन 2024 या असालतन या बजरिये वकील अदालत हाजा या मुख्तार मजाज हस्ब जाप्ता और वाकिफ हाल मुकदमा में हाजिर होकर वजह (अगर कोई हो) जाहिर करें कि नाबुर्दा की दरख्वास्त क्यों न मन्जूर किया जाय।

मेरे दस्तखत और मुहर अदालत से आज बतारीख 30 माह 05 सन 2024 ई0 जारी किया गया।

द0 हाकिम

अदालती नोटिस

सम्मन बनाम कायम मुकाम कानूनी मुद्दाअलेह मुतवफ्फा
(आर्डर 22, कायदा 4)
न्यायालय–श्रीमान सिविल जज (जू0डि0) खलीलाबाद बस्ती जिला–बस्ती
मूलवाद सं0 330 / 2016

सोमनाथ
बनाम
श्याम देव आदि

1/1 रावेन्द्र उम्र लगभग 40 वर्ष पुत्र श्यामदेव साकिन धौरूखोर तप्पा बडगोपगार परगना महुली पश्चिम तहसील व जिला–बस्ती 3. सन्दीप उम्र 26 साल पुत्र जयराम साकिन मौजा धौरूखोर तप्पा बडगोपगार परगना महुली पश्चिम तहसील व जिला–बस्ती

तारीख पेशी 11–07–2024

हरगाह मुद्दई ने एक नालिश इस अदालत में बतारीख माह सन 20 ई0 बनाम मुद्दाअलेह के रूजू की थी, जो बाद की मौत हरगाह मुद्दई मजकूर ने एक दरख्वास्त इस अदालत में गुजारी है कि आप मुतवफ्फा मजकूर का कायम मुकाम कानूनी वारिस है और चाहता है कि बजाय उसके मुद्दाअलेह बनाये जांय।

लिहाजा आपको हुक्म होता है कि बतारीख 11 माह 07 सन 2024 ई0 बवक्त 10 बजे इस अदालत में हाजिर होकर मुकदमा मजकूर जबाबदेही कीजिये और अगर आप हाजिर न होंगे तो मुकदमा वगैर हाजिरी आपके मसमूअ और फैसला होगा। बवक्त मेरे दस्तखत और मुहर अदालत आज बतारीख माह सन 20 ई0 जारी किया गया।

द0 हाकिम

दैनिक भारतीय बस्ती

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक प्रदीप चन्द्र पाण्डेय द्वारा दर्पण प्रिन्टिंग प्रेस वि0. नया हाल 1–4 A लोहिया काम्पलेक्स जिला पंचायत भवन गांधीनगर बस्ती (उ.प्र.) से मुद्रित एवं प्रकाशित।
सम्पादक दिनेश चन्द्र पाण्डेय

प्रबन्ध सम्पादक–**दिनेश सिंह**
संयुक्त सम्पादक–**प्रदीप चन्द्र पाण्डेय**
अयोध्या–फैजाबाद कार्यालय–
चतुर्भुजी मंदिर परिसर लक्ष्मण घाट अयोध्या–फैजाबाद
लखनऊ कार्यालय–
आशियाना चौराहा, एल.डी.ए. कालोनी, सेक्टर एच. कानपुर रोड लखनऊ।
गोरखपुर कार्यालय–
इलाहीबाग गोरखपुर।
मो09450567450 9336715406,
ई.मेल**bhartiyabasti@yahoo.com**
bhartiyabasti@gmail.com